हरिभूमि

हिसार-हांसी भूमि

रोहतक, रविवार 29 मार्च 2026

11 गोकथा मन को पवित्र करने के साथ मनुष्य के लिए कल्याणकारी भी

12 पशु चिकित्सा महाविद्यालय बना ओवरऑल चैंपियन

खबर संक्षेप

गांजा सप्लाई करने वाली आरोपी महिला गिरफ्तार

हांसी। हांसी सीआईए-2 ने नशीले पदार्थों की सप्लाई करने वाली महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसआई विनोद कुमार ने बताया कि क्राइम जांच गश्त पड़ताल के दौरान एक सरोज नामक महिला को 544 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया था, और पुलिस पुलिस पुछताछ के दौरान सरोज ने खुलासा किया कि उसे उक्त नशीला पदार्थ गीता निवासी हांसी द्वारा सप्लाई किया गया था।

अवैध देसी शराब की 12 बोतल के साथ एक काबू

हांसी। पुलिस ने अवैध देसी शराब की 12 बोतल के साथ ढाणी राजू निवासी बिजेंद्र को गिरफ्तार किया है। शहर थाना में तैनात एएसआई नरेश ने बताया कि गश्त पड़ताल दौरान हांसी जींद रोड़ पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के समीप शक के आधार पर रोक कर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 12 बोतल अवैध देशी शराब बरामद हुई आरोपी को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ शहर थाना में शराब अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अवैध शराब को कब्जा पुलिस में लिया गया है।

नशा तस्करों के विरुद्ध चलाया सर्च अभियान

हांसी। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सिसाय पुल पुलिस चौकी द्वारा शनिवार को सुबह 8 से 11 बजे तक डॉग स्क्वाड टीम के साथ नशा तस्करी पर अंकुश लगाने व नशीले पदार्थों की बरामदगी के उद्देश्य से क्षेत्र में विशेष सर्च अभियान चलाया।

वार्ड एक में की वारदात, पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा

बाइक सवार लुटेरे चिकित्सक से हजारों की लूट करके फरार

लूट की पूरी घटना क्लीनिक के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

बरवाला। डॉ. बृजलाल वर्मा लूट की घटना के बारे में जानकारी देते हुए।

बरवाला। सीसीटीवी फुटेज में क्लीनिक के बाहर खड़ा एक आरोपी निगरानी रखते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

शहर के दौलतपुर रोड पंजाबी धर्मशाला के समीप वार्ड एक में बाइक सवार दो युवक एक चिकित्सक से हजारों रुपये लूटकर फरार हो गए। इस दौरान चिकित्सक ने शोर भी मचाया और भाग कर इन दोनों लुटेरो को पकड़ने की कोशिश भी की परंतु मोटरसाइकिल पर सवार दोनों लुटेरे चकमा देकर फरार हो गए।

लूट की यह पूरी घटना क्लीनिक के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने सूचना पाते ही मौके पर पहुंचकर चिकित्सक से इस घटना के बारे में जानकारी जुटाई और सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला तो लूट करने वाले दो आरोपियों में से एक आरोपी की पहचान हो गई है। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए इस आरोपी को उसके घर से हिरासत में ले लिया। आरोपी उस वक्त घर पर कपड़े बदल रहा था ताकि वो पहचान में ना आ पाए। पुलिस द्वारा इस आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

वार्ड नंबर एक निवासी चिकित्सक बृज लाल वर्मा ने बताया कि शनिवार शाम को मोटरसाइकिल पर सवार होकर दो युवक आए जिसमें से एक युवक उसके क्लीनिक के अंदर दवाई लेने के बहाने आया और दूसरा युवक क्लीनिक के बाहर निगरानी रखने लगा। दवाई लेने के लिए क्लीनिक के अंदर गए युवक ने चिकित्सक को 500 रूपये का एक नोट दिया। वो युवक दवाई पसंद नहीं आने का बहाना बनाने लगा तो चिकित्सक ने उसे 500 रूपये वापस देने के लिए जेब से अपने रूपयों का बंडल निकाला तो वो उस नोटों के बंडल को झपटा मार कर बाहर इंतजार कर रहे उसके दोस्त के साथ बाइक पर बैठकर फरार हो गया।

चिकित्सक बृजलाल वर्मा ने बताया कि वो लुटेरे लगभग 30 हजार की राशि लूट कर फरार हो गए हैं। पुलिस का कहना है कि हिरासत में लिया गया आरोपी अपराधी प्रवृत्ति का है और उस पर पहले भी अदालत में कई मामले विचाराधीन है। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज करके दूसरे की तलाश शुरू कर दी है।

पेट्रोल पंप पर लूट के मामले में भी पुलिस के हाथ खाली

आजाद नगर थाना क्षेत्र के गांव भेरियां में पैट्रोप पंप से 38 हजार की लूट के संबंध में पुलिस के हाथ अभी तक खाली है। हालांकि पुलिस की अलग अलग टीमें इस मामले की जांच करने में लगी है। पुलिस प्रवक्ता का कहना है कि पुलिस की विभिन्न टीमें लूट की घटना के बाद से ही आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास में लगी है।

साइबर ठगी में 8वां आरोपी गिरफ्तार

हांसी। साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी में संलिप्त 8वें आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सिरसा जिला के गांव साहूवाला निवासी विक्की के रूप में हुई है। विक्की को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसका 3 दिन का पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपी से साइबर ठगी गिरोह के जुड़े अन्य सदस्यों व नेटवर्क के बारे में जानकारी हासिल की जाएगी। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र पाल ने बताया कि हांसी निवासी व्यक्ति ने अप्रैल 2025 में शिकायत दी थी कि उसके साथ पिछले लगभग 6 महीनों से व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ऑनलाइन ठगी की जा रही है। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी फेसबुक आईडी पर फ्रेंड रिक्वेस्ट प्राप्त हुई, जिसके बाद फेसबुक मैसेंजर व फिर व्हाट्सएप पर बातचीत शुरू हुई तो आरोपी ने खुद को शेयर मार्केट में निवेश से अच्छा मुनाफा कमाने वाला बताते हुए शिकायतकर्ता को भी निवेश करने के लिए प्रेरित किया और बार-बार लालच देने पर उसने कई किश्तों में अपने बैंक खातों से 97 लाख 65 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए।

चोरी की बड़ी वारदात : 12 तोले सोना, चांदी व पचास हजार की नकदी ले उड़े चोर

हिसार। गांव गावड़ में चोरी की बड़ी वारदात गांव में एक मकान से चोर 12 तोले सोना, चांदी व पचास हजार की नकदी चुराकर फरार हो गए। परिजनों को इसकी भनक तक नहीं लगी। आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने वारदात से पहले कोई नशीला कैमिकल डाला, जिसके चलते परिजन नींद से नहीं उठ पाए। सुबह जब वे उठे तो उनको आंखों में हल्की जलन महसूस हुई। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। पीड़ित दिनेश कुमार ने बताया कि वे परिवार के सदस्यों के साथ खेत में बनी ढाणी में रहते है। शुक्रवार रात को वे परिवार के सदस्यों के साथ अपनी ढाणी में सोए थे। सुबह परिवार की एक महिला उठी तो दरवाजा बाहर से बंद था। पता चलने पर आवाज लगाकर दरवाजा खुलवाया। उन्होंने बताया कि साथ वाले कमरे के अंदर रखे दो संदूक गायब थे। फिर संदूकों की तलाश की तो ढाणी से थोड़ी दूर खेत में दोनों संदूक मिले। उन्होंने बताया कि चोर संदूक के अंदर रखे करीब 12 तोले सोना और चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। इसके अलावा पचास हजार की नकदी भी गायब थी। परिजनों का कहना है कि चोरों ने साथ वाले कमरे से वारदात को अंजाम दिया। किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। आरोप है कि चोरी करने वालों ने कमरे के अंदर कोई कैमिकल डाला जिस कारण किसी की आंख भी तक नहीं खुली।

मेयर ने किया कार्य का निरीक्षण

ऑटो मार्केट में सीवरेज समस्या का होगा समाधान, जल्द मिलेगी राहत

हिसार। कार्य का निरीक्षण करते मेयर प्रवीण पोपली। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

ऑटो मार्केट में लंबे समय से चली आ रही सीवरेज समस्या के समाधान के लिए कार्य जारी है। इसी कड़ी में मेयर प्रवीण पोपली ने मौके पर पहुंचकर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ऑटो मार्केट के प्रधान रमेश वत्स, व्यापारी तथा मिस्त्री भी मौजूद रहे। सभी ने मेयर को क्षेत्र में लंबे समय से बनी सीवरेज की समस्या से अवगत कराया और चल रहे कार्यों पर अपनी प्रतिक्रिया भी साझा की। मेयर प्रवीण पोपली ने बताया कि ऑटो मार्केट में सीवरेज की समस्या काफी समय से व्यापारियों और आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई थी। बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी, जिससे दुकानदारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि फिलहाल सीवरेज लाइन को दुरुस्त करने और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने का काम चल रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए, ताकि लोगों को जल्द से जल्द राहत मिल सके। मेयर ने आश्वासन दिया कि कार्य पूर्ण होने के बाद ऑटो मार्केट में सीवरेज से जुड़ी समस्या समाप्त हो जाएगी और व्यापारियों को साफ-सुथरा व बेहतर वातावरण मिलेगा।

पंचायत उप चुनाव के लिए मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन

हांसी। हरियाणा पंचायती राज निर्वाचन नियम, 1994 के प्रावधानों के तहत पंचायत उप-चुनाव 2026 के लिए राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की अनुपालना में खंड हांसी-द्वितीय द्वारा ग्राम पंचायत भाटोल रांगड़ान, जीतपुरा, खरबला व सिंघवा खास की पंचायत संस्थाओं की वार्डवार मतदाता सूचियों का 27 मार्च 2026 को नियमानुसार अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। एसडीएम एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) राजेश खोथ ने बताया कि वार्डवार मतदाता सूचियां अब आमजन के अवलोकन हेतु विभिन्न कार्यालयों में उपलब्ध रहेंगी, जिनमें एसडीएम कार्यालय हांसी , जिला परिषद हिसार, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी हिसार, तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार हांसी, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी-कम-कार्यकारी अधिकारी पंचायत समिति हांसी-द्वितीय तथा संबंधित ग्राम पंचायत कार्यालय शामिल हैं।

अतिथी देवो भव...

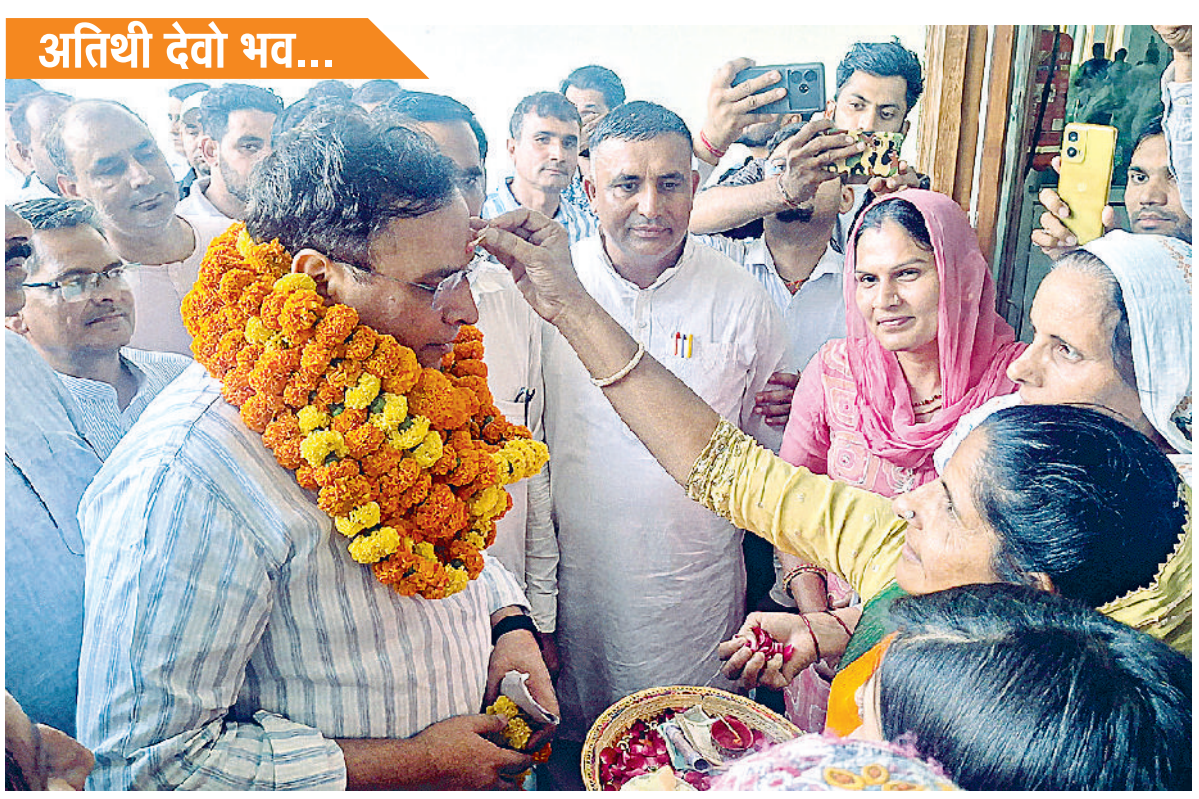

नारनौंद। कार्यक्रम में कैप्टन अभिमन्यु का फूल मालाएं डालकर स्वागत करतीं महिलाएं।

आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं

- हकृवि में औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों की खेती, संरक्षण एवं उपयोग पर कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसलों की खेती, संरक्षण एवं उपयोग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल अनुभाग तथा सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय कालीकट द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे जबकि नागरिक अस्पताल से वैध (डॉ.) सुखबीर सिंह वर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। यह कार्यशाला विशेष रूप से अनुसूचित जाति के किसानों के लिए आयोजित की गई।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने टिकाऊ कृषि में औषधीय पौधों के बढ़ते महत्व, उनकी बढ़ती बाजार मांग तथा उन्नत उत्पादन तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए किसानों को अधिक लाभ के लिए इन फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन के समग्र संतुलन शरीर, मन और प्रकृति पर आधारित एक प्राचीन वैज्ञानिक पद्धति है। वात, पित्त, कफ के संतुलन को स्वास्थ्य की कुंजी बताते हुए उन्होंने कहा कि संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, योग एवं ध्यान के माध्यम से अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। साथ ही, औषधीय पौधों के संरक्षण, जैविक खेती और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर भी विशेष बल दिया गया।

वैध सूरज भान ने दिनचर्या ठीक करने पर दिया बल

कुलपति ने कार्यक्रम में प्रकाशनों एवं औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल आधारित उत्पादों का भी विमोचन किया। उन्होंने प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम मे वैध सूरज भान ने भी आयुर्वेद पर अपने विचार व्यक्त किए तथा अपना खानपान और दिनचर्या ठीक करने पर बल दिया।अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने सभी का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय में चल रही शोध एवं विस्तार गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश कुमार गोयल, औषधीय, सुगंधित एवं संभावित फसल अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश आर्य, वैज्ञानिक डॉ. गजराज दहिया, डॉ. रवि बेनीवाल, डॉ. विपन कुमार, डॉ. कृष्ण कुमार, भूपेंद्र सिंह आदि रहे।

सिप+हिप+ टिप पैसा बनाने के साथ देते हैं लाइफ और सुरक्षा

सुझाव | बिजनेस डेस्क

आज के समय में केवल कमाई करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस कमाई को सही दिशा में लगाना, सुरक्षित रखना और भविष्य के लिए बढ़ाना भी उतना ही जरूरी हो गया है। महंगाई, बढ़ते मेडिकल खर्च और जीवन की अनिश्चितताओं के बीच एक संतुलित वित्तीय योजना ही आपको मजबूत बना सकती है। यही कारण है कि 2026 में सिप, हिप और टिप का कॉम्बिनेशन स्मार्ट निवेशकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह तीनों मिलकर आपकी वेल्थ, हेल्थ और सिक्योरिटी तीनों को संतुलित करते हैं। इसलिए निवेशक इन्हें अपनाकर अपना भविष्य सरक्षित कर सकते हैं।

क्यों जरूरी है तीनों का कॉम्बो?

- आज की आर्थिक परिस्थितियों में एक ही विकल्प पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है।
- महंगाई लगातार बढ़ रही है
- हेल्थकेयर खर्च तेजी से बढ़ रहे हैं
- जीवन में अनिश्चितता हमेशा बनी रहती है
- ऐसे में एक ऐसा प्लान जरूरी है, जो हर स्थिति में आपका साथ दे। सिप, हिप और टिप का कॉम्बो आपकी आय को बढ़ाने, बचाने और सुरक्षित रखने का संतुलन बनाता है। यही एक समझदार निवेशक की पहचान भी है।

सिपः छोटे निवेश से बड़ा फंड का फॉर्मूला

सिटेमैटिक प्लान यानी सिप हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करने की रणनीति, जो समय के साथ बड़ा फंड तैयार करती है। इसमें आप 500 रुपये, 1000 रुपये या 5000 रुपये जैसी छोटी रकम से भी शुरुआत कर सकते हैं। सबसे बड़ी ताकत है "कंपाउंडिंग" यानी आपके पैसे पर भी पैसा बनना।

- लंबी अवधि में 10–12% तक रिटर्न की संभावना
- मार्केट के उतार-चढ़ाव का औसत असर
- अनुशासित निवेश की आदत
- जितना लंबा समय, उतना बड़ा फंड यही सिप की खासियत है। इसलिए इसे लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन का सबसे भरोसेमंद तरीका माना जाता है।

हिप : आपकी सेविंग्स का बॉडीगार्ड

हेल्थ इंश्योरेंस प्लान यानी हिप को अक्सर लोग खर्च समझ लेते हैं, जबकि असल में यह आपकी बचत की सुरक्षा करता है। आज के दौर में एक गंभीर बीमारी या मेडिकल इमरजेंसी कुछ ही दिनों में लाखों रुपये खर्च करा सकती है। ऐसे में अगर आपके पास हेल्थ इंश्योरेंस नहीं है, तो आपकी सालों की जमा पूंजी खत्म हो सकती है। ऐसे में हेल्थ इंश्योरेंस आपकी संभाल करता है। इसलिए इसे लेना न भूलें। से अपातकालीन हालात में आपकी रक्षा करता है।

- अस्पताल का खर्च बीमा कंपनी उठाती है
- आपकी सेविंग्स और निवेश सुरक्षित रहते हैं
- मानसिक तनाव कम होता है
- विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर व्यक्ति को अपनी सालाना आय के कम से कम 50% के बराबर हेल्थ कवर जरूर लेना चाहिए। यानी अगर आपकी सालाना आय 10 लाख रुपये है, तो कम से कम 5 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस होना चाहिए।

टिप : परिवार की आर्थिक सुरक्षा की ढाल

- टर्म इंश्योरेंश प्लान यानी आपके परिवार के लिए सबसे मजबूत वित्तीय सुरक्षा कवच माना जाता है। जीवन अनिश्चित है, और अगर कमाने वाले व्यक्ति के साथ कुछ अनहोनी हो जाए, तो परिवार पर आर्थिक संकट आ सकता है। ऐसे में टर्म इंश्योरेंस परिवार को आर्थिक सहारा देता है।
- कम प्रीमियम में बड़ा कवरेज
- परिवार के खर्च, बच्चों की पढ़ाई व लोन की सुरक्षा
- लंबी अवधि के लिए मानसिक शांति
- उदाहरण के तौर पर, 30 साल की उम्र में करीब 1 करोड़ रुपये का टर्म प्लान सालाना 10,000–12,000 रुपये में मिल सकता है। यह छोटी सी लागत आपके परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाती है।

तीनों का संतुलन ही असली प्लानिंग

सिप, हिप और टिप तीनों अलग-अलग जरूरतों को पूरा करते हैं, लेकिन जब इन्हें एक साथ अपनाया जाता है, तो यह एक मजबूत वित्तीय ढांचा तैयार करते हैं।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों के बीच असमंजस और चिंता का माहौल, कई लोग बाजार की गिरावट देखकर जल्दबाजी में अपने निवेश को निकालने का कर रहे विचार

विशेषज्ञों की सलाह : हड़बड़ाहट में पैसा न निकालें, निवेश बनाएं रखें, एसआईपी में बढ़ा सकते हैं निवेश

बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच शांति व धैर्य जरूरी

ऐसे समय में धैर्य खोना निवेशकों के लिए नुकसान का कारण बन सकता है। इसलिए संयम से काम लें और निवेश बनाएं रखें। लंबी अवधि में निवेश आपको फायदा देकर ही जाएगा।

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव खासतौर पर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी टकराव का असर अब दुनियाभर के शेयर बाजारों पर साफ नजर आने लगा है। लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण निवेशकों के बीच असमंजस और चिंता का माहौल है। कई लोग बाजार की गिरावट देखकर जल्दबाजी में अपने निवेश को निकालने का विचार कर रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे समय में घबराने की बजाय संयम और समझदारी से काम लेना ही सबसे बेहतर रणनीति होती है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार के फंडामेंटल्स मजबूत हैं और लंबी अवधि के निवेशकों को आगे चलकर इसका फायदा मिल सकता है। निवेशक चाहें तो एसआईपी में निवेश बढ़ा सकते हैं, चूंकि लंबी अवधि में इसका लाभ मिलेगा। यह गिरावट कुछ समय के लिए हो सकती है। इसलिए लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर शांति और धैर्य के साथ निवेश करते जाएं। बाजार के जानकारों ने निवेशकों को स्पष्ट संदेश दिया है कि बाजार में गिरावट के दौरान जल्दबाजी में शेयर बेचना नुकसानदेह हो सकता है। उनका कहना है कि वर्तमान में जो उतार-चढ़ाव दिखाई दे रहा है, वह केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक ट्रेंड है। दुनिया के कई बड़े बाजारों में 7% से 10% तक की गिरावट देखी जा रही है, जो असामान्य नहीं बल्कि बाजार की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। शेयर बाजार हमेशा सीधी रेखा में नहीं चलता। इसमें उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, और यही इसकी प्रकृति है।

लंबी अवधि का नजरिया सफलता की कुंजी

विशेषज्ञों का मानना है कि शेयर बाजार में सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है। लंबी अवधि का नजरिया। जब कोई निवेशक किसी कंपनी के शेयर खरीदता है, तो वह उस कंपनी के भविष्य में निवेश कर रहा होता है। ऐसे में रोजाना के उतार-चढ़ाव पर ध्यान देना जरूरी नहीं होता। अगर निवेशक 5 से 10 साल के दृष्टिकोण से निवेश करते हैं, तो बाजार के अस्थायी उतार-चढ़ाव का असर कम हो जाता है और बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इतिहास भी यही बताता है कि लंबे समय तक बाजार में बने रहने वाले निवेशकों को अक्सर अच्छा लाभ मिला है।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत

- भले ही बाजार में अल्पकालिक गिरावट देखने को मिल रही हो, लेकिन भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है।
- देश की जीडीपी ग्रोथ दर स्थिर और सकारात्मक बनी हुई है
- महंगाई नियंत्रण में है, औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हो रही है
- बिजली खपत और इंफ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों में तेजी है
- ये सभी संकेत बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत है। यही कारण है कि लंबे समय में बाजार की दिशा सकारात्मक रहने की उम्मीद की जाती है।
- भारत का शेयर बाजार भी लगातार विस्तार कर रहा है। निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और नए आईपीओ की भरमार इस बात का संकेत है कि बाजार पर लोगों का भरोसा कायम है।

एसआईपी से अस्थिरता में अवसर

- बाजार की गिरावट को अक्सर लोग नकारात्मक रूप में देखते हैं, लेकिन समझदार निवेशक इसे अवसर के रूप में भी देखते हैं।
- सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करने वालों के लिए यह समय और भी फायदेमंद हो सकता है।
- गिरावट के समय कम कीमत पर यूनिट्स मिलती हैं
- औसत लागत कम होती है
- लंबे समय में बेहतर रिटर्न की संभावना बढ़ती है
- विशेषज्ञों का मानना है कि जो निवेशक अपनी एसआईपी को जारी रखते हैं या उसमें बढ़ोतरी करते हैं, वे बाजार की अस्थिरता का लाभ उठा सकते हैं।

धैर्य और अनुशासन ही निवेश की असली ताकत

- शेयर बाजार में सफल होने के लिए केवल सही स्टॉक चुनना ही काफी नहीं होता, बल्कि सही व्यवहार और मानसिकता भी जरूरी होती है।
- हर गिरावट पर घबराना नुकसानदायक हो सकता है
- बार-बार खरीद-बिक्री से लागत बढ़ती है
- भावनात्मक फैसले अक्सर गलत साबित होते हैं
- इसलिए निवेशकों को चाहिए कि वे अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार योजना बनाएं और उसी पर टिके रहें।
- धैर्य और अनुशासन ही वे दो गुण हैं, जो लंबे समय में निवेशकों को सफलता दिलाते हैं।

वैश्विक संकट का असर

- वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता का माहौल है। युद्ध, आर्थिक नीतियों में बदलाव और अन्य अंतरराष्ट्रीय घटनाएं बाजार को प्रभावित करती हैं, लेकिन यह भी सच है कि बाजार इन परिस्थितियों से उबरने की क्षमता रखता है। इतिहास गवाह है कि हर बड़े संकट के बाद बाजार ने वापसी की है और नए उच्च स्तर भी हासिल किए हैं। ऐसे में निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि मौजूदा गिरावट स्थायी नहीं है।

संयम रखें, रणनीति पर टिके रहें

- बाजार में उतार-चढ़ाव निवेश का स्वाभाविक हिस्सा है
- घबराकर निवेश निकालना अक्सर नुकसानदायक होता है
- लंबी अवधि का नजरिया और अनुशासन जरूरी है
- एसआईपी जैसे विकल्प अस्थिरता में भी अवसर देते हैं
- निवेश एक लंबी यात्रा है, जिसमें धैर्य और समझदारी सबसे बड़े साथी होते हैं। मौजूदा परिस्थितियों में घबराने के बजाय शांत रहकर अपनी रणनीति पर टिके रहना ही सही निर्णय साबित हो सकता है।

टैक्स बचाने और बचत सुरक्षित रखने की यह है मास्टर प्लानिंग

एजुकेशन लोन अब बोझ नहीं बन सकेगा स्मार्ट इन्वेस्टमेंट

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"अगली बार जब एजुकेशन लोन लेने का विचार आए, तो इसे बोझ नहीं, बल्कि अपने उज्जवल भविष्य में किया गया एक समझदारी भरा निवेश मानें।

आज के समय में उच्च शिक्षा का खर्च लगातार बढ़ रहा है। इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट या विदेश में पढ़ाई हर क्षेत्र में फीस लाखों से लेकर करोड़ों तक पहुंच चुकी है। ऐसे में अधिकांश छात्र और अभिभावक एजुकेशन लोन को एक मजबूरी या बोझ के रूप में देखते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों की मानें, तो सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन एक लायबिलिटी नहीं, बल्कि एक मजबूत निवेश साबित हो सकता है, जो आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में मदद करता है।

एजुकेशन लोन का सबसे बड़ा फायदा टैक्स बचत के रूप में मिलता है। इनकम टैक्स एक्ट की धारा सेक्शन 80ई के तहत, लोन पर चुकाए गए ब्याज पर पूरी तरह टैक्स छूट मिलती है। इसका मतलब यह है कि आप जितना ब्याज चुकाते हैं, उतनी ही आपकी टैक्सेबल इनकम कम हो जाती है। खास बात यह है कि इस छूट की कोई ऊपरी सीमा नहीं होती। यह सुविधा लोन चुकाना शुरू करने के बाद अधिकतम 8 वर्षों तक मिलती है।यानी आप पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी शुरू करते ही टैक्स बचत का लाभ उठा सकते हैं, जिससे आपकी कुल वित्तीय योजना और मजबूत हो जाती है।

आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास

एजुकेशन लोन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह छात्रों को आत्मनिर्भर बनाता है। जब छात्र अपनी पढ़ाई का खर्च खुद उठाते हैं, तो उनमें जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। वे अपने करियर को लेकर अधिक गंभीर होते हैं और नौकरी मिलने के बाद अपने वित्तीय लक्ष्यों को लेकर सजग रहते हैं। यह अनुभव उन्हें जीवनभर काम आता है और आर्थिक रूप से मजबूत बनाता है।

समझदारी से लिया गया कर्ज, भविष्य की ताकत

एजुकेशन लोन को केवल कर्ज के रूप में देखना एक अधूरी सोच है। सही रणनीति के साथ यह एक ऐसा वित्तीय टूल बन सकता है, जो न केवल आपकी शिक्षा का रास्ता आसान करता है, बल्कि टैक्स बचत, क्रेडिट स्कोर सुधार और निवेश सुरक्षा के जरिए आपके भविष्य को भी मजबूत बनाता है।

क्रेडिट स्कोरः मजबूत आर्थिक पहचान की शुरुआत

युवाओं के लिए एजुकेशन लोन सिर्फ पढ़ाई का जरिया नहीं, बल्कि उनके वित्तीय जीवन की पहली सीढ़ी भी होता है। जब कोई छात्र समय पर अपनी ईएमआई भरता है, तो उसका क्रेडिट स्कोर मजबूत होता है। यह स्कोर भविष्य में होम लोन, कार लोन या बिजनेस लोन लेने में बेहद अहम भूमिका निभाता है। अच्छा क्रेडिट स्कोर होने से न केवल आसानी से लोन मिलता है, बल्कि कम ब्याज दर पर भी लोन मिल सकता है। इसके अलावा, खुद की पढ़ाई का खर्च उठाने से छात्रों में जिम्मेदारी और वित्तीय अनुशासन विकसित होता है, जो लंबे समय में उनके करियर और जीवन दोनों के लिए फायदेमंद साबित होता है।

निवेश की सुरक्षाः बचत को बढ़ने का मौका

अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता बच्चों की पढ़ाई के लिए अपनी जीवनभर की बचत—जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), पीएफ या रिटायरमेंट फंड तोड़ देते हैं। यह निर्णय भावनात्मक रूप से सही लग सकता है, लेकिन वित्तीय दृष्टि से हमेशा लाभकारी नहीं होता। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन बचतों को बाजार में निवेशित रहने दिया जाए, तो वे 12% से 15% तक का रिटर्न दे सकती हैं। वहीं, एजुकेशन लोन की ब्याज दरें अपेक्षाकृत कम होती हैं और कई मामलों में सरकारी सब्सिडी भी मिलती है। इस तरह लोन लेकर आप अपनी पूंजी को सुरक्षित रखते हुए उसे कंपाउंडिंग के जरिए बढ़ने का मौका देते हैं। यह रणनीति लंबे समय में अधिक लाभदायक साबित हो सकती है।

सही योजना जरूरी

- लोन लेने से पहले कोर्स और उसके करियर स्कोप का आकलन करें
- ब्याज दर और शर्तों की तुलना करें
- समय पर ईएमआई चुकाने की योजना बनाएं
- अनावश्यक रूप से अधिक कर्ज लेने से बचें

रिटायरमेंट के करीब हैं तो कर लें ये जरूरी काम

हर व्यक्ति की ख्वाहिश होती है कि वह रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी बिना तनाव और आर्थिक चिंता के सुकून से बिताए। लेकिन यह तभी संभव है, जब समय रहते सही वित्तीय योजना बनाई जाए। अक्सर लोग नौकरी के दौरान तो बचत और निवेश करते हैं, लेकिन रिटायरमेंट के बिल्कुल करीब आकर कई जरूरी पहलुओं को नजरअंदाज कर देते हैं। अगर आपकी रिटायरमेंट अब ज्यादा दूर नहीं है, तो यह समय बेहद अहम है। इस दौरान लिए गए सही फैसले आपके आने वाले जीवन को सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे 5 जरूरी वित्तीय काम, जिन्हें रिटायरमेंट से पहले जरूर पूरा कर लेना चाहिए।

1. कुल बचत और आय का सही आकलन करें

रिटायरमेंट के करीब पहुंचते ही सबसे पहले अपनी वित्तीय स्थिति का स्पष्ट आकलन करना जरूरी है। इसमें आपकी सेविंग्स, पेंशन, पीएफ, ग्रेच्युटी और अन्य निवेश शामिल होने चाहिए। इसके साथ ही पिछले कुछ वर्षों के खर्च का विश्लेषण करें और यह समझें कि रिटायरमेंट के बाद आपकी मासिक जरूरतें कितनी होंगी। महंगाई को ध्यान में रखते हुए भविष्य के खर्च का अनुमान लगाना भी बेहद जरूरी है।

2. गैर-जरूरी खर्चों पर लगाएं लगाम

रिटायरमेंट के बाद नियमित आय सीमित हो जाती है, इसलिए खर्चों पर नियंत्रण बेहद जरूरी हो जाता है। ऐसे में अपनी वर्तमान जीवनशैली का मूल्यांकन करें और फिजूल खर्चों को कम करने की आदत डालें। इसके अलावा, रिटायरमेंट के बाद नए कर्ज लेने से बचें। क्रेडिट कार्ड का अत्यधिक उपयोग भी भविष्य में आर्थिक दबाव बढ़ा सकता है। बेहतर होगा कि आप अपने सभी पुराने कर्ज समय रहते खत्म कर लें, ताकि रिटायरमेंट के बाद किसी तरह की वित्तीय बाधा न आए।

3. निवेश को विविध बनाएं

एक ही जगह निवेश करना हमेशा जोखिम भरा होता है। इसलिए अपनी बचत को अलग-अलग निवेश विकल्पों में बांटना समझदारी भरा कदम है। रिटायरमेंट से पहले आप अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें और जरूरत के अनुसार बदलाव करें। सुरक्षित विकल्पों जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट, पेंशन स्कीम या सीनियर सिटिजन सेविंग्स स्कीम में निवेश बढ़ाया जा सकता है, जबकि कुछ हिस्सा ऐसे निवेश में रखें जो महंगाई को मात दे सके। विविध निवेश से जोखिम कम होता है और रिटर्न संतुलित रहता है।

4. हेल्थ प्लान और मेडिकल फंड तैयार रखें

रिटायरमेंट के बाद स्वास्थ्य सबसे बड़ी प्राथमिकता बन जाता है। उम्र बढ़ने के साथ मेडिकल खर्च भी तेजी से बढ़ते हैं, इसलिए एक मजबूत हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी होना बेहद जरूरी है। यदि आपके पास पहले से हेल्थ इंश्योरेंस है, तो उसकी कवरेज की समीक्षा करें और जरूरत के अनुसार बढ़ाएं। इसके साथ ही एक अलग इमरजेंसी मेडिकल फंड बनाना भी समझदारी है, ताकि अचानक आने वाले खर्चों से आपकी बचत पर ज्यादा असर न पड़े।

5. पैसे निकालने की रणनीति बनाएं

रिटायरमेंट के बाद सबसे बड़ी चुनौती होती है। बचत को लंबे समय तक कैसे चलाया जाए। इसके लिए पहले से ही एक स्पष्ट रणनीति बनाना जरूरी है। आपको यह तय करना चाहिए कि हर महीने कितनी राशि निकालनी है, किन निवेशों से पैसे निकालने हैं और किन्हें लंबे समय तक बने रहने देना है। सिस्टमेटिक विड्रॉल प्लान जैसे विकल्प इस मामले में मददगार हो सकते हैं। सही योजना के साथ आप अपने फंड को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं और नियमित आय का प्रवाह बनाए रख सकते हैं।

उठापटक वाले बाजार में मल्टी एसेट फंड है बेहतर विकल्प

एक ही एसआईपी से स्टॉक्स, गोल्ड व बॉन्ड में निवेश

वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों में अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष, वैश्विक महंगाई का दबाव और राजनीतिक अनिश्चितता शामिल हैं। इनको देखते हुए निवेशकों को मल्टी-एसेट रणनीति अपनानी चाहिए। । ऐसे माहौल में मल्टी-एसेट फंड निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाते हैं, क्योंकि ये इक्विटी, डेट, कमोडिटी और कीमती धातुओं में निवेश का अवसर देते हैं। मल्टी-एसेट फंड ऑटोमैटिक रीबैलेंसिंग, प्रोफेशनल मैनेजमेंट और डायनेमिक एसेट एलोकेशन प्रदान करते हैं, जो खासतौर पर अधिक अस्थिरता के समय में उपयोगी होता है। साथ ही यह समय अत्यधिक आक्रामक होने का नहीं है, बल्कि एक संतुलित और विविधीकृत पोर्टफोलियो बनाए रखने का है, जो झटकों को सह सके और संभावित बढ़त में भी भाग ले सके।

पश्चिम एशिया में जारी जंग को एक माह हो गया है। इस दौरान बाजार में उठा-पटक जोरदार है। तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। बाजार दवाब में हैं। सोना और चांदी पहले चमके, फिर गिरे। बॉन्ड्स ने कुछ राहत दी है और जो निवेशक सिर्फ एक जगह पैसा लगाए बैठे थे, वो सबसे ज्यादा नुकसान में हैं। यही वो वक्त है जब एक पुरानी बात फिर साबित होती है कि किसी एक एसेट पर निर्भर नहीं रहना चाहिए फिर चाहे वो इक्विटी हो, डेट हो या सोना, लेकिन एक व्यक्ति कहां-कहां निवेश करे? आम निवेशक के पास क्या विकल्प हैं? इसलिए एक ऐसा निवेश का ऑप्शन आपकी सभी जरूरतों को पूरा कर सकता है। आप बस हर महीने पैसा डालते रहो और आपका पैसा हर जगह निवेश होता रहेगा। फिर शेयर हो या सोना। एसेट अलोकेशन का मतलब होता है कि आप अपना पैसा कहां-कहां डाल रहे हैं और इसका सबसे आसान रास्ता है मल्टी एसेट्स एलोकेशन फंड। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों, राजनीतिक अनिश्चितता और वैश्विक महंगाई के दबाव को देखते हुए निवेशकों को मल्टी-एसेट रणनीति को प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि विविधीकरण (डाइवर्सिफिकेशन) अशांत समय में जोखिम को कम करने में मदद करता है।

केवल फंड स्तर पर विविधीकरण सही नहीं

विशेषज्ञों के अनुसार पिछले दिनों वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और केंद्रीय बैंकों की खरीदारी के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई है। चांदी को औद्योगिक मांग और कीमती धातु के रूप में उसकी पारंपरिक भूमिका दोनों का लाभ मिला है, जबकि इक्विटी बाजार उच्च विदेशी निवेश (एफआईआई इनफ्लो), मजबूत आय संभावनाओं और मैक्रो स्थिरता के कारण अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इन सकारात्मक रुझानों के कारण इस श्रेणी ने निवेशकों को आकर्षित किया। लेकिन, अब हालात बदल चुके हैं। सोना और चांदी अपने उच्चतम स्तर से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में एक ही श्रेणी के निवेशक काफी दिक्कत में आ चुके हैं। इसके लिए अगर आपने अलग-अलग एसेट में निवेश किया होता तो बेहतर रहता। हालांकि, यह ध्यान रखना चाहिए कि केवल फंड स्तर पर विविधीकरण करना सही नहीं है, क्योंकि जरूरत पड़ने पर विभिन्न एसेट क्लास के बीच पुनः आवंटन करना मुश्किल हो जाता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि 29 मल्टी-एसेट फंड्स में से अधिकांश फंड्स में 65% से अधिक निवेश इक्विटी में, 25% डेट में और 10% अन्य (जैसे सोना/कमोडिटी) में होता है। डीएसपी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड एक अपवाद है, जिसमें लगभग 88% निवेश 'अन्य' श्रेणी में है। अधिकांश योजनाओं में एक जैसी संरचना होने से विविधीकरण और लचीलापन दोनों सीमित हो जाते हैं। चूंकि इक्विटी हिस्सा अक्सर लार्ज-कैप शेयरों में केंद्रित होता है, इसलिए कई बार ऐसे फंड्स में निवेश करने पर भी पर्याप्त विविधीकरण नहीं मिल पाता। वे सलाह देते हैं कि सिर्फ मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स पर निर्भर रहने के बजाय निवेशकों को अपने पूरे पोर्टफोलियो स्तर पर एसेट एलोकेशन तय करना चाहिए।

फ्लेक्सी-कैप और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स भी विकल्प

इसके बावजूद मल्टी-एसेट फंड्स में निवेशकों की रुचि लगातार बढ़ रही है। मध्यम जोखिम प्रोफाइल वाले नए निवेशकों के लिए मल्टी-एसेट फंड्स के साथ फ्लेक्सी-कैप और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स भी एक अच्छा विकल्प है। पिछले एक वर्ष में 24 मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स में से 8 ने दो अंकों (डबल डिजिट) का रिटर्न दिया, 14 ने एक अंक (सिंगल डिजिट) का रिटर्न दिया, जबकि 2 फंड्स ने नकारात्मक रिटर्न दिया। कई बार मल्टी-एसेट फंड्स पूर्व-निर्धारित एलोकेशन संरचना के कारण हर एसेट की पूरी क्षमता का लाभ नहीं उठा पाते। ये फंड्स अभी भी इक्विटी पर अधिक निर्भर रहते हैं और इक्विटी फंड्स से बहुत अलग नहीं हैं। यदि निवेशक पहले से ही अपने पोर्टफोलियो स्तर पर एसेट मिक्स तय कर रहे हैं, तो मल्टी-एसेट फंड जोड़ने से अनावश्यक दोहराव या एक ही एसेट में अधिक निवेश (कंसंट्रेशन) हो सकता है, खासकर जब फंड इक्विटी की ओर झुका हुआ हो। ऐसे निवेशकों को मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स से बचने पर विचार करना चाहिए और अपनी वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम प्रोफाइल के अनुसार इक्विटी और डेट में अलग-अलग निवेश करना चाहिए। इससे बेहतर रिटर्न, दीर्घकालिक वृद्धि और संपत्ति निर्माण की आदर्श रणनीति बन सकती है। जबकि नए व आम निवेशकों के लिए मल्टी एसेट फंड एक बेहतर विकल्प रहता है। भले ही कुछ परिस्थितयों में इसमें रिटर्न कम हो सकता है, लेकिन जोखिम घटाने के लिए यह बेहतर विकल्प है। हाल के आंकड़े गवाह हैं कि इस फंड ने अनेक मामलों में बेहतर रिटर्न भी दिया है। इसके बावजूद निवेश हमेशा अपनी जोखिम क्षमता, निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्यों के आधार पर ही करना चाहिए।

खबर संक्षेप

संस्कृत निबंध प्रतियोगिता में पारुल रही प्रथम

हिसार। राजकीय महिला महाविद्यालय में संस्कृत विभाग की ओर से संस्कृत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के परिणामों में तृतीय वर्ष की छात्रा पारुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान तृतीय वर्ष की छात्रा प्रिया ने प्राप्त किया तथा तृतीय स्थान तृतीय वर्ष की छात्रा चेतना ने हासिल किया। इस अवसर पर संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार ने सर्वप्रथम छात्राओं को संबोधित करते हुए संस्कृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला।

जिला स्तरीय हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड की बैठक संपन्न

हांसी। हिसार चुंगी स्थित राजकीय संस्कृति मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड की राज्य सचिव अमरजीत सिंह पानू की अध्यक्षता में मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग में जिला कोषाध्यक्ष दीपक जांगड़ा ने व आरडीएम स्कूल मिर्चपुर से कर्मवीर सिंह ढांडा ने स्कूलों में हो रही हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। मीटिंग में जिला सचिव अमरजीत सिंह पानू, नरेश कुमार राज्य प्रशिक्षक, दीपक जांगड़ा कोषाध्यक्ष, सह संयोजक कर्मवीर सिंह, लवली चावला, ज्योति गिल, रेनू आदि मौजूद रहे।

क्षेत्रीय संगीत को अब पहचान का इंतजार नहीं

हिसार। क्षेत्रीय संगीत अब अपनी पहचान के लिए इंतजार नहीं कर रहा है, बल्कि यह आगे बढ़कर लीड कर रहा है। हफ्तों तक वायरल चार्ट्स, प्लेलिस्ट्स, रील्स और श्रोताओं की लूप पर राज करने के बाद, मित्ता रोर और स्वरा वर्मा के वायरल हिट गीत शीशा (आख्यां में आंख घाली जो बैरण) का बहुप्रतीक्षित आधिकारिक म्यूज़िक वीडियो अब रिलीज़ हो गया है, जिसमें सोराब बेदी और निहारिका तिवारी नज़र आ रहे हैं। मित्ता रोर द्वारा लिखित और संगीतबद्ध, स्वरा वर्मा की बेहतरीन आवाज़, ये ईश्वर द्वारा निर्मित और तेजी संधू द्वारा निर्देशित है।

सातवें राज्य वित आयोग के लिए सुझाव आमंत्रित

हांसी। राज्य सरकार द्वारा 27 जून 2025 की अधिसूचना के माध्यम से भारत के संविधान के अनुच्छेद 243-आई एवं 243-वाई, हरियाणा पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 213 तथा हरियाणा वित्त आयोग नियम, 1994 के नियम 3 के तहत सातवें राज्य वित्त आयोग का गठन किया गया है। उपायुक्त राहुल नरवाल ने बताया कि आयोग का मुख्य उद्देश्य राज्य में पंचायती राज संस्थाओं तथा शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति की व्यापक समीक्षा करना है।

शोरूम से हजारों की मोटर और कंट्रोलर चोरी

नारनौंद। शहर के जींद हांसी सड़क मार्ग पर स्कूटी के शोरूम से अज्ञात चोर स्कूटी की मोटर और कंट्रोलर चुराकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों पर मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही हैं। नारनौंद निवासी जगविंदर लोहान ने बताया कि जींद रोड़ पर फायर ब्रिगेड के पास उसका देवराज इंटरप्राइज के नाम से स्कूटी का शोरूम है। वह हर रोज की तरह रात को अच्छी तरह से शोरूम को बंद करके घर गया था जब सुबह आकर देखा तो पीछे के गोदाम मैं खड़ी हुई स्कूटी 12 स्कूटी से हजारों रुपये के मोटर और कंट्रोलर गायब मिले।

20 मामलों में संलिप्त हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

हिसार। सदर पुलिस ने लगभग 20 मामलों में संलिप्त हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रावलवास कलां निवासी विकास के रूप में हुई है। बालसमंद चौकी इंचार्ज एएसआई रविन्द्र ने बताया कि पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए एक हिस्ट्रीशीटर आरोपी विकास को काबू किया है, जो कई संगीन मामलों में संलिप्त रहा है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी हरियाणा में लगभग 12 मुकदमों तथा राजस्थान में करीब 7-8 मुकदमों में संलिप्त है। इन मुकदमों में लूट, डकैती, हत्या का प्रयास, एक्साइज एक्ट, आर्म्स एक्ट, मारपीट व गाली-गलौच जैसे संगीन अपराध शामिल हैं।

श्री सुरभि गो महायज्ञ में आहुति डालकर की जनकल्याण की कामना

गोकथा मन को पवित्र करने के साथ मनुष्य के लिए कल्याणकारी भी

30 को पूर्णाहुति गो महायज्ञ व भंडारे की तैयारियां शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

मातृभूमि सेवा संघ, गोसेवा गतिविधि एवं काबरेल के केशव माधव धाम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में सरस्वती कॉलेज प्रांगण में चल रहे 108 कुंडीय दशांश महायज्ञ व श्रीमद गौ भागवत कथा में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। सरस्वती कॉलेज ऑफ एजुकेशन के डायरेक्टर व गौ शक्ति जागरण अनुष्ठान संचालन समिति के व्यवस्था प्रमुख विकास ढल ने बताया कि मातृभूमि सेवा संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष कथा वाचिका विदुषी बेला पारीक के सान्निध्य में 30 मार्च को विधि-विधान से प्रातः 9 बजे पूर्णाहुति गौ महायज्ञ किया जाएगा और प्रातः 11 बजे से अटूट भंडारा शुरू हो जाएगा।

सरस्वती कॉलेज प्रांगण में श्री सुरभि गो महायज्ञ, सवा करोड़ श्री सुरभि मंत्र जाप अनुष्ठान और श्रीमद गो भागवत कथा विधि-विधान से नियमपूर्वक चल रहे हैं। श्री सुरभि गो महायज्ञ में पांचवें दिन कैमरी आश्रम के संचालक स्वामी राजदास महाराज, विजय ढल, कमलेश ढल, विकास ढल, सोनिया रानी, दीपक ढल, कमल सर्राफ, रणधीर झाझडिया व सुदर्शन सोनी सहित काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। श्रीमद गो भागवत कथा के पांचवें दिन नलवा के विधायक रणधीर पनिहार मुख्यातिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर गंगवा के श्रीकृष्ण प्रणामी सत्संग भवन से साध्वी पवित्रा महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही।

हिसार। श्री सुरभि गो महायज्ञ के अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि विधायक रणधीर पनिहार, विदुषी बेला पारीक व अन्य अतिथिगण।

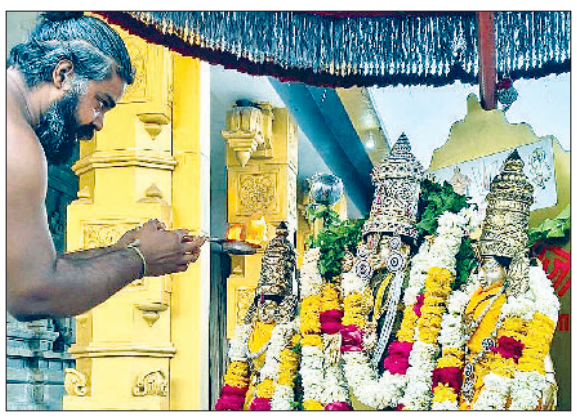

हिसार। तिरुपति धाम में सवारी शोभा यात्रा में भगवान वेंकटेश की पूजा करते अर्चक व श्रद्धालुगण। *फोटो : हरिभूमि*

गोकथा से होता है मन शुद्ध

कथा वाचिका विदुषी बेला पारीक ने श्रीमद गो भागवत कथा के दौरान समझाया कि गोकथा मन को पवित्र करने के साथ ही मनुष्य के लिए कल्याणकारी भी है। उन्होंने कहा कि गीता का ज्ञान हरियाणा की धरा पर दिया गया। गीता का यह उपदेश जिसने दिया वह भी गोमाता का दुग्धपान ही करता था। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीकृष्ण ने न केवल गोमाता के साथ समय बिताया बल्कि उसकी महिमा से भी रूबरू करवाया। इस दौरान वनवासी कल्याण आश्रम की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रामबाबू सिंगल, पवन जिंदल, सेवा भारती लाडवा छात्रावास समिति के अध्यक्ष मक्खन लाल, वनवासी कल्याण आश्रम के जिलाध्यक्ष संजीव अरोड़ा व विजय ढल ने दीप प्रज्ज्वलित किया।

भगवान वेंकटेश के जयकारों से गूंजा तिरुपति धाम

हिसार। श्री तिरुपति बालाजी धाम में पूरे विधि-विधान से भगवान श्री वेंकटेश की सवारी शोभा यात्रा निकाली गई। प्रातः विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की गई और सायंकाल नियमानुसार मंत्रोच्चारण के साथ भगवान वेंकटेश के विग्रह को रथ पर स्थापित पालकी में विराजमान किया गया। उनके साथ ही माता लक्ष्मी व माता भूदेवी के विग्रह भी सुशोभित किए गए। सवारी शोभा यात्रा शुरू होते ही श्रद्धालुओं का उत्साह देखने लायक रहा। इस दौरान श्रद्धालु जय श्रीमन्नारायण, जय गोविंदा व जय भगवान वेंकटेश के जयघोष करते रहे। भक्तों ने अपने हाथों से रथ को खींचकर अपनी आस्था जताई और धाम की परिक्रमा की। शोभा यात्रा के उपरांत श्रद्धालुओं में गोष्ठी प्रसाद का वितरण किया गया। सवारी शोभा यात्रा में हिस्सा लेने वाले श्रद्धालुओं ने अग्रोहा रोड पर लांदड़ी टोल प्लाजा के पास स्थापित तिरुपति धाम में श्री वेंकटेश भगवान जी, श्री पद्मावती माता जी, श्री गोदांबा माता जी, श्री गरुड़ जी, श्री लक्ष्मी नृसिंह जी, श्री सुदर्शन जी, श्री रामानुज स्वामी जी, श्री शठकोप स्वामी जी, श्री वरवर मुनि जी एवं श्री हनुमान जी के मंदिरों के भी दर्शन किए।

धूमधाम से मनाया शनिदेव मंदिर बड़वाली ढाणी का वार्षिक महोत्सव

हिसार। हवन में आहुति डालते मंदिर के पदाधिकारी व मौहल्ला वासी।

- सेवादारों ने हवन, तेलाभिषेक, कंजक पूजन करके भंडारा किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

पुरानी सब्जी मंडी चौक के निकट स्थित ढाणी बड़वाली के शनिदेव मंदिर का 17वां वार्षिक महोत्सव आज धूमधाम से मनाया गया। महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रातः हवन, तेलाभिषेक व कंजक पूजन किया गया। हवन में मंदिर समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों व मौहल्ला वासियों ने आहुतियां डाली।

मंदिर की श्रीशनिदेव सेवा समिति के प्रधान महाबीर सैनी व महासचिव रामबीर सैनी ने बताया कि मंदिर के पुजारी पं. हनुमान भार्गव भादरा वाले व पं. मनोज शास्त्री ने मंत्रोच्चारण किये। शनिदेव का तेलाभिषेक किया गया। भगवान शनिदेव, हनुमानजी, महाकाली व नवग्रहों की विधि-विधान से आरती की गई तथा हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। पूजन के बाद भंडारा चलाया गया जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

बजरंगबली के भजनों का किया गुणगान

बरवाला। मेन बाजार चौक में स्थित श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर में श्री हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा। जन्मोत्सव को लेकर बरवाला शहर में प्रभात फेरी निकाली जा रही है। मंदिर कमेटी के प्रधान मदन लाल गिरधर और मंच संचालक सतीश काठपाल ने बताया कि इस प्रभात फेरी के माध्यम से लोगों को इस हनुमान जन्मोत्सव के तहत हनुमान मंदिर में चल रहे 71000 श्री हनुमान चालीसा पाठ और 2 अप्रैल सांय 4 बजे श्री सुंदर कांड पाठ आरंभ तथा सांय 6 बजे बाहर से आए भजन कलाकारों द्वारा किए जाने वाले संकीर्तन में अधिक भागीदारी के लिए न्योता दिया जा रहा है।

महोत्सव में मुख्यातिथि के रुप में समाजसेवी समाजसेवी देवेन्द्र सैनी, रजनेश देवसरिया, नरेन्द्र सैनी, भरत सिंह व पूर्व पार्षद शोभा नेहरु ने भाग लिया। इस अवसर पर समिति के संरक्षक सतवीर वर्मा, मंदिर समिति के प्रधान महाबीर सैनी, महासचिव रामबीर सैनी, खजांची राजकुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

हिसार। मिल गेट क्षेत्र में निकाली गई कलश यात्रा में भाग लेती महिलाएं।

आत्मा को परमात्मा से जोड़ती है भागवत कथा

हिसार। श्रीकृष्ण प्रणामी महिला सत्संग मंडल, मिल गेट के तत्वाधान में अटल चौक, कैप्टन आर.सी. स्कूल रोड पर शनिवार से शुरु हुई संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा के उपलक्ष्य में कलश यात्रा निकाली गई जिसमें सैंकड़ों महिलाओं ने भाग लिया। मंडल के प्रवक्ता संजू जोशी ने बताया कि कलश यात्रा बैंड-बाजों व ढोल ढमाकों के साथ हनुमान मंदिर, जिंदल पार्क मिल गेट से शुरु हुई जो आसपास के क्षेत्रों से होते हुए कथा स्थल पर पहुंची। भागवत वाचस्पति श्रीश्री 108 स्वामी राजदास महाराज (कैमरी आश्रम) ने कथा के पहले दिन भागवत कथा का महात्म्य बताते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण का महात्म्य (महत्व) कलियुग में सबसे सर्वोच्च माना गया है। यह भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का साक्षात स्वरूप है, जिसका श्रवण करने से जन्म-जन्मान्तर के पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष (वैकुंठ धाम) की प्राप्ति होती है।

लोहारी राघो में विराट हिंदू सम्मेलन की धूम, रामभक्ति से गूंजा रामलीला ग्राउंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

भगवान एक है, चाहे वह किसी भी रुप में क्यों न हों। आप भगवान श्रीराम को मानें या भगवान शिव, भगवान विष्णु या किसी को भी। सभी एक ही हैं। हमारे पूजा करने के तरीके अलग हो सकते हैं लेकिन लक्ष्य हमारा क्या है।

लक्ष्य है सर्वशक्तिमान ईश्वर, परमपिता परमात्मा की प्राप्ति। उक्त उद्गार कन्या गुरुकुल राखी गढ़ी के संचालक स्वामी ब्रह्मानंद महाराज ने गांव लोहारी राघो स्थित रामलीला मैदान में श्रीरामा रामलीला क्लब द्वारा आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के आदर्शों, संस्कृति और सनातन परंपरा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। रामनवमी महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भारी तादाद में उमड़े श्रद्धालुओं ने राम नाम का गुणगान किया।

नारनौंद। सम्मेलन में सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि।

कलश यात्रा निकाल मनाया वार्षिक उत्सव

हिसार। सरसौद गांव स्थित दिव्य देव स्थानम में चतुर्थ वार्षिक उत्सव एवं रामनवमी उत्सव के उपलक्ष्य में भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर परिसर में एकत्र हुए। मनोहर लाल ज्ञानी देवी जन कल्याण सोसायटी के प्रधान मदनलाल गोयल ने बताया कि मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, हवन, कन्या पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। नौ दिनों तक चले इस उत्सव में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। पं. गणेश शास्त्री द्वारा मां भगवती के नवरात्रों में 9 दिनों तक दुर्गा सप्तशती पाठ का आयोजन किया गया। शाम के समय गांव की मुख्य गलियों में ध्वजा यात्रा व कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हिसार। कलश यात्रा में भाग लेते दिव्य देव स्थानम सरसौद से जुड़े श्रद्धालु।

पीड़ित लड़की की इलाज के दौरान मौत

- डाक्टरों का बोर्ड आज करेगा पोस्टमार्टम, परिजनों ने की न्याय की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

छेड़छाड़ से तंग आकर आत्महत्या का प्रयास करने वाली हांसी जिले के एक गांव की छात्रा की अग्रोहा मेडिकल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका के शव का रविवार को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में डाक्टरों का बोर्ड पोस्टमार्टम करेगा। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो फिलहाल न्यायिक हिरासत में भेजे गए हैं। मामले के अनुसार हांसी जिले के एक गांव की रहने वाली 16 वर्षीय 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा जब स्कूल में परीक्षा देने के जा रही थी तो दो युवकों ने रास्ते में उसको परेशान कर छेड़छाड़ की थी। छात्रा ने घर आते ही परेशान होकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। पुलिस ने पीड़ित लड़की की मां के बयान पर चार युवकों पर मामला दर्ज किया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस मामले की दो मुख्य आरोपित रॉबिन और साहिल को शुक्रवार को नारनौंद से ही गिरफ्तार किया था। शनिवार को दोनों आरोपितों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया वही पीड़ित लड़की को इलाज के लिए हांसी से अग्रोहा रेफर कर दिया गया था।

ये था मामला

स्कूल जाते समय लड़की के साथ छेड़छाड़ की गई। इससे तंग आकर पीड़ित लड़की ने घरवालों को सारी घटना बताई थी। गांव के ही दो लड़के स्कूल के रास्ते में उसके साथ छेड़छाड़ करते हैं और दोस्ती करने का दबाव बना रहे हैं। अगर दोस्ती नहीं की तो उसको बदनाम करने की भी धमकी दी। दोनों युवकों को लड़की के परिजनों ने समझाने का काफी प्रयास भी किया गया था। गत 22 मार्च को पीड़ित लड़की के भाई ने भी आरोपितों के साथ बातचीत की थी और उन्होंने उसके साथ भी बदतमीजी कर लड़ाई कर मारपीट की थी। इन सभी बातों से आहत होकर पीड़ित लड़की ने 23 मार्च को घर पर ही अपनी चुन्नी से आत्महत्या करने की कोशिश की। घर वालों ने तुरंत ही उसको देख लिया और उसको अस्पताल में लेकर आ गए थे। थाना प्रभारी रमेश कुमार ने बताया कि इस मामले के दो आरोपितों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। मृतका का पोस्टमार्टम रविवार को करवा कर परिजनों को सौंप दिया जाएगा। मामले में आगामी जांच

मांगे पूरी नहीं हुई तो बिजली मंत्री के अंबाला आवास के घेराव की चेतावनी

बिजली कर्मचारियों ने सरकार का जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

ऑल हरियाणा पावर कॉरपोरेशन वर्कर यूनियन सब यूनिट नारनौंद की जनरल मीटिंग शनिवार को उप मंडल कार्यालय के प्रांगण में हुई, जिसकी अध्यक्षता सब यूनिट प्रधान रामदिया शर्मा ने की तथा संचालन सब यूनिट सचिव सत्यवान रंगा ने किया। मीटिंग में यूनिट की तरफ से यूनिट प्रधान सुरेंद्र हुड्डा, यूनिट सचिव जोनी कुमार, यूनिट के सीनियर उप प्रधान सतीश शर्मा, वित्त सचिव सुनील यादव के साथ-साथ सर्व कर्मचारी संघ ब्लॉक नारनौंद की तरफ से ब्लॉक प्रधान योगेंद्र मास्टर तथा रिटायर्ड कर्मचारी संघ के ब्लॉक सचिव रोहतास शर्मा ने भी विशेष रूप से भाग लिया।

नारनौंद। कर्मचारियों को संबोधित करते प्रधान रामदिया शर्मा।

सरकार ले रही कर्मचारी विरोधी फैसले

मीटिंग को संबोधित करते हुए यूनिट प्रधान सुरेंद्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारें आए दिन कर्मचारी विरोधी फैसले ले रही है, इससे कर्मचारियों में रोष बढ़ता जा रहा है। सरकारें बिजली कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से नहीं ले रही है। राज्य कार्यकारिणी ने फैसला लिया है कि बिजली निगम में कौशल रोजगार निगम के तहत लगे सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाने के लिए फॉर्म साइन करवा कर अधीक्षक अभियंता के माध्यम से बिजली मंत्री को भेजना तथा आने वाली 20 मई को बिजली मंत्री अनिल विज का अंबाला आवास पर घेराव किया जाएगा। इसके लिए सभी एकजुट होकर प्रचार शुरू कर दे ताकि वहां पर बड़ी संख्या में कर्मचारी पहुंच सके। इस अवसर पर विकास गौतम, राजेश पेटवाड़, हरिओम, मनीष कुमार, लव कुश, संदीप बडाला, राजेंद्र जांगड़ा, सुरेश कुमार आदि मौजूद थे।

न्यूज डायरी

रामनवमी को सफल बनाने के लिए जताया आभार

हिसार। श्री रामलीला कमेटी कटला के 129वें श्री रामनवमी महोत्सव, श्रीराम कथा व श्री रामनवमी शोभा यात्रा को सफल बनाने के लिए श्री रामलीला कमेटी कटला के प्रधान विनोद गुप्ता, समस्त पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों ने सभी अतिथियों, प्रशासन, देवी भवन व सभी शहरवासियों का आभार व्यक्त किया है। विनोद गुप्ता ने कहा कि नौ दिवसीय महोत्सव के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और इस पुनीत कार्य में यथासंभव सहयोग किया। उन्होंने कहा कि भव्य रामनवमी शोभा यात्रा में भी हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लेकर अपनी आस्था का परिचय दिया।

सृष्टि स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

नारनौंद। सृष्टि इंटरनेशनल स्पोर्ट्स स्कूल मोठ में शनिवार को सत्र 2025–26 का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। विद्यालय का परिणाम इस वर्ष भी शत-प्रतिशत रहा। विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन एवं अनुशासन के बल पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर शानदार उपलब्धि हासिल की। इस अवसर पर सभी मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। अभिभावकों ने भी विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए अपने बच्चों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया।

शिवालिक स्कूल में मिलन समारोह 5 अप्रैल को

हिसार। बड़वाली ढाणी स्थित शिवालिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व छात्रों का मिलन समारोह 5 अप्रैल को स्कूल प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। स्कूल के डायरेक्टर दलबीर पंघाल ने बताया कि समारोह में पिछले कई वर्षों में स्कूल से शिक्षा ग्रहण करके उच्च पदों पर आसीन पूर्व छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। गीता देवी व डॉ. प्रीति ने बताया कि समारोह को लेकर पूर्व छात्रों से संपर्क किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। आने वाले सभी पूर्व छात्र-छात्राओं का जोरदार स्वागत किया जाएगा।

दलजीत बने एचएसईबी वर्कर्स यूनियन के राज्य उप-प्रधान

हिसार। हरियाणा कर्मचारी महासंघ से संबंधित एचएसईबी वर्कर्स यूनियन की थर्मल प्लांट खेदड़ यूनिट के सर्कल सचिव दलजीत पंघाल को केन्द्रीय परिषद में राज्य उप-प्रधान नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से खेदड़ थर्मल प्लांट के कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है। नवनियुक्त राज्य उप-प्रधान दलजीत पंघाल ने अपनी नियुक्ति को लेकर यूनियन के राज्य प्रधान इकबाल चंढाना, राज्य महासचिव यशपाल देशवाल सहित संगठन के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं केन्द्रीय कार्यकारिणी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे संगठन के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

हनुमान मंदिर से 2 अप्रैल को निकलेगी शोभा यात्रा

हिसार। सनातन धर्म हनुमान मंदिर, नागोरी गेट का 70वां वार्षिक हनुमान जयंती महोत्सव दो अप्रैल को धूमधाम से मनाया जाएगा। ट्रस्ट के प्रधान कैलाश चौधरी एडवोकेट, सचिव मधुसूदन गुप्ता व महोत्सव संयोजक प्रमोद मित्तल सीए ने संयुक्त बयान में कहा कि इस दिन सायं 5 बजे मंदिर प्रांगण से हनुमानजी की भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी जो नगर के प्रमुख बाजारों से होते हुए वापिस मंदिर में पहुंचेगी। शोभा यात्रा में अनेक झांकियों के साथ-साथ हनुमानजी की रंग-बिरंगे फूलों से सजाई झांकी आकर्षण का केंद्र होगी। शोभा यात्रा के समापन पर रात्रि 7:30 बजे मंदिर प्रांगण में भंडारा चलाया जाएगा।

गोएंका सेवा सदन में संत प्रवचन कल से

हिसार। सोहम महामंडल शाखा हिसार समिति की एक बैठक समिति के प्रधान इंद्र चंद राठी की अध्यक्षता में स्थानीय देवी भवन स्कूल के प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक में समिति के राकेश गर्ग ने बताया कि 30 मार्च से 5 अप्रैल तक देवी भवन स्थित गोएंका सेवा सदन में संत प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन परम पूज्य अनन्त श्री विभूषित महामंडलेश्वर स्वामी विवेकानंद महाराज (वृंदावन) की प्रेरणा एवं उनके कृपापात्र सोहम पीठाधीश्वर सत्यानंद महाराज जी की अध्यक्षता में संपन्न होगा।

ध्यान की खिलावट विषय पर आधारित ध्यान सत्र आज

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में 29 मार्च को ध्यान की खिलावट विषय पर आधारित ध्यान सत्र का आयोजन किया जाएगा। प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलने वाले इस ध्यान सत्र में न केवल ध्यान का महत्व समझाया जाएगा बल्कि ध्यान की विभिन्न सरल विधियों का अभ्यास भी करवाया जाएगा। ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय व मां सांची ने बताया कि 29 मार्च के ध्यान सत्र में साधक ध्यान की खिलावट से रूबरू होकर आनंदमय मार्ग की तरफ अग्रसर होंगे। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर साधकों के साथ 10 से 12 अप्रैल तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय मेडिटेशन कैंप के बारे में भी विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

मॉडल मेकिंग में कक्षा 12वीं की सरोज अव्वल

हिसार। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंगाली में समग्र शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित मॉनिटरिंग और मेंटरिंग ऑफ स्कूल बाय हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट कार्यक्रम करवाया गया। कार्यक्रम में बतौर मेंटर राजकीय महिला महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. सतेंद्र यादव ने विद्यार्थियों को विज्ञान और गणित के प्रति जागरूक किया।

खबर संक्षेप

अजय भारद्वाज बने हिसार टैक्स बार एसो. के प्रधान

हिसार। हिसार टैक्स बार एसोसिएशन के वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी को लेकर शनिवार को सेक्टर-14 आयकर कार्यालय परिसर में मतदान हुआ। चुनाव अधिकारी सीए रामबाबू अग्रवाल ने बताया कि प्रधान, उप-प्रधान, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य के लिए कुल 21 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए थे। इन पदों के लिए 255 मतदाताओं ने वोट डाले। एडवोकेट अजय कुमार भारद्वाज को प्रधान, एडवोकेट भारत विक्रांत को उपप्रधान (इनकम टैक्स), एडवोकेट जगदीश को उपप्रधान (जीएसटी), सीए मुकुल मित्तल को सचिव, पुनीत मित्तल को संयुक्त सचिव तथा सीए मिनल चावला को कोषाध्यक्ष चुना गया।

बेसहारा पशु पकड़े, सभी गो अभ्यारण्य भेजे

हिसार। शहर में बेसहारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए नगर निगम द्वारा अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी कडी में शनिवार को निगम की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 28 बेसहारा पशुओं को पकड़ा और उन्हें सुरक्षित रूप से गो अभ्यारण्य भेज दिया। अभियान की निगरानी सहायक नोडल अधिकारी सुरेन्द्र वर्मा द्वारा की जा रही है, जिनकी देखरेख में निगम की टीम कार्य कर रही है।

डीजल इंजन व स्प्रे टंकी चोरी मामले में एक काबू

बरवाला। पुलिस ने बधावड़ के खेतों से डीजल इंजन व स्प्रे टंकी चोरी मामले में एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान गांव के ही साहू पाना निवासी संदीप के रूप में हुई है। जांच अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में गांव के राजपाल ने शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार वह खेतीबाड़ी का कार्य करता है तथा उसके खेत ढाणी खान बहादुर रोड पर हैं। गत 16-17 मार्च 2026 की रात को उसके खेत से कुएं पर लगा डीजल इंजन व एक स्प्रे की टंकी किसी ने चोरी कर ली।

कैबिनेट मंत्री गंगवा ने कार्यकर्ताओं में भरी ऊर्जा

हिसार। विधानसभा क्षेत्र के मील गेट मंडल में शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठनात्मक मजबूती, जनसेवा और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

एसडी स्कूल में साइटेशन सेरेमनी का आयोजन

हांसी। एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल में शनिवार को साइटेशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत स्कूल प्राचार्या ऋतु सिंह व प्राइमरी हैड शिवानी श्रीवास्तव ने यूकेजी कक्षा के बच्चों को डिग्री के रूप में उनका परीक्षा परिणाम प्रदान किया गया। इस अवसर पर नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति किए। वहीं यूकेजी के बच्चों ने हर्षोल्लास से अपने रिजल्ट को डिग्री के रूप में प्राप्त कर नए रोमांच का अनुभव करते हुए अपनी अगली कक्षा में कदम रखा।

लुवास में अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स मीट का आयोजन

पशु चिकित्सा महाविद्यालय बना ओवरऑल चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), के नए परिसर में आयोजित हरियाणा राज्य अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स मीट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पशु चिकित्सा महाविद्यालय, लुवास ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीता, जबकि पैरा वेटरनरी विज्ञान संस्थान, लुवास उपविजेता रहा। व्यक्तिगत वर्ग में अरमानजीत सिंह (आरपीएस महाविद्यालय, महेंद्रगढ़) को पुरुष वर्ग में तथा तनिषा (डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, लुवास) को महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ एथलीट घोषित किया गया। यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के नए परिसर में आयोजित पहली प्रमुख खेल गतिविधि रही। इस अवसर पर खेल मंत्री गौरव गौतम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा ने की। इस अवसर पर विधायक रणधीर पनिहार, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बीआर काम्बोज, भाजपा जिला अध्यक्ष आशा खेदड़ सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

- पुरुष वर्ग में अरमानजीत सिंह व महिला वर्ग में तनिषा बनी सर्वश्रेष्ठ एथलीट

हिसार। खेल में हिस्सा लेते विद्यार्थी व विजेताओं को सम्मानित करते मंत्री गौरव गौतम तथा अन्य अतिथि रहे।

मुख्य अतिथि गौरव गौतम ने कहा कि खेल केवल शारीरिक सुदृढ़ता का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और टीम भावना के विकास का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेलों में सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शॉट पुट महिला वर्ग में सविता रही प्रथम

4 गुना100 मीटर रिले में महिला वर्ग में पशु चिकित्सा महाविद्यालय टीम प्रथम, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय टीम द्वितीय एवं पैरा वेटरनरी विज्ञान संस्थान टीम तृतीय रही, जबकि पुरुष वर्ग में आरपीएस महाविद्यालय टीम प्रथम, पशु चिकित्सा महाविद्यालय टीम द्वितीय एवं पैरा वेटरनरी विज्ञान संस्थान टीम तृतीय स्थान पर रही। शॉट पुट महिला वर्ग में सविता (पशु चिकित्सा महाविद्यालय) प्रथम, हिमांशी (डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय) द्वितीय एवं रितु (पशु चिकित्सा महाविद्यालय) तृतीय रही, जबकि पुरुष वर्ग में शिवम (जेआईवीएस महाविद्यालय) प्रथम, आशीष (एपेक्स महाविद्यालय) द्वितीय एवं चंद्रकांत (आरपीएस महाविद्यालय) तृतीय रहे। डिस्कस थ्रो महिला वर्ग में रितु (पशु चिकित्सा महाविद्यालय) प्रथम, खुशी (डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय) द्वितीय एवं ट्विंकल (जे.आई.वी.एस. महाविद्यालय) तृतीय रही तथा पुरुष वर्ग में शिवम (जेआईवीएस महाविद्यालय) प्रथम, मनदीप (पशु चिकित्सा महाविद्यालय) द्वितीय एवं सुमित (बालाजी महाविद्यालय) तृतीय रहे। लंबी कूद में महिला वर्ग में तनिषा (डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय) एवं पुरुष वर्ग में अभिषेक (पैरा वेटरनरी विज्ञान संस्थान) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

यह रहे परिणाम

ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाओं के परिणामों में 100 मीटर महिला वर्ग में तनिषा (डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय) प्रथम, ऋचा (पशु चिकित्सा महाविद्यालय) द्वितीय एवं नियति (आरपीएस महाविद्यालय) तृतीय रही, जबकि पुरुष वर्ग में अरमानजीत (आरपीएस महाविद्यालय) प्रथम, पंकज (एसबीडीएस महाविद्यालय) द्वितीय एवं तरुण (पशु चिकित्सा महाविद्यालय) तृतीय रहे। 200 मीटर महिला वर्ग में अनुराग (पशु चिकित्सा महाविद्यालय) प्रथम, वेदिका (पैरा वेटरनरी विज्ञान संस्थान) द्वितीय एवं विनीता (पशु चिकित्सा महाविद्यालय) तृतीय रही तथा पुरुष वर्ग में अरमानजीत (आरपीएस महाविद्यालय) प्रथम, मानु (पैरा वेटरनरी विज्ञान संस्थान) द्वितीय एवं तरुण (पशु चिकित्सा महाविद्यालय) तृतीय स्थान पर रहे। 400 मीटर महिला वर्ग में उषा प्रथम, स्नेहा (पशु चिकित्सा महाविद्यालय) द्वितीय एवं ट्विंकल (जेआईवीएस महाविद्यालय) तृतीय रही, जबकि पुरुष वर्ग में सतिंदर (पैरा वेटरनरी विज्ञान संस्थान) प्रथम, आशिक (एपेक्स महाविद्यालय) द्वितीय एवं संजीत (पशु चिकित्सा महाविद्यालय) तृतीय रहे। 800 मीटर महिला वर्ग में सविता प्रथम, स्नेहा (पशु चिकित्सा महाविद्यालय) द्वितीय एवं सोनम (पैरा वेटरनरी विज्ञान संस्थान) तृतीय रही।

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में की पैरेंट्स टीचर मीटिंग

हांसी। पीटीएम में अभिभावकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उन्मुखीकरण कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते स्कूल अध्यापक।

हांसी। आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस, मिलकपुर में शनिवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उन्मुखीकरण कार्यक्रम एवं पैरेंट्स टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में नर्सरी से नौवीं तथा ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए आयोजित की गई, जिसमें नई शिक्षा नीति 2020 , नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी, कंपीटेंसी बेस्ड एजुकेशन तथा होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। पीटीएम में अभिभावकों को बताया गया कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बच्चों की शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित और विद्यार्थी केंद्रित बनाया जा रहा है। साथ ही, फाउंडेशनल लिटरेसी और न्यूमेरेसी के माध्यम से प्रारंभिक कक्षाओं में भाषा और गणित की मजबूत नींव तैयार करने पर विशेष बल दिया गया। स्कूल चेयरमैन आनंद यादव के बताया कि एनईपी 2020 विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इस अवसर पर निदेशक साहिल यादव, प्रिंसिपल नितीश मिश्र, वाइस प्रिंसिपल गीता यादव एवं सृष्टि यादव सहित स्कूल स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

किसान नेताओं की गिरफ्तारी के नोटिस वापस ले सरकार : संपत

हिसार। इनेलो के राष्ट्रीय सरंक्षक एवं पूर्व मंत्री प्रो. संपत सिंह ने मांग की है कि हरियाणा सरकार किसान आंदोलन (2020-21) के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमों में किसानों के विरुद्ध जारी गैर-जमानती गिरफ्तारी वांरट और जमानती गिरफ्तारी वारंट को तुरंत वापिस लें। किसान आंदोलन के समाप्त होने के समय भारत सरकार और संयुक्त किसान मोर्चा के बीच हुए लिखित समझौते में यह स्पष्ट तय हुआ था कि किसानों के विरूद्ध व तीनों काले कानूनों को व आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमों को तुरंत प्रभाव से वापिस लिया जाएगा। किसान आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों में किसान नेताओं को गिरफ्तार करने के लिए जारी नोटिसों में सरकार द्वारा विश्वासघात करना और किसान विरोधी मानसिकता नजर आती है। हिसार की अदालत ने हाल ही में किसान नेता व जिला पार्षद प्रतिनिधि संदीप धीरणवास के खिलाफ एक गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट व किसान नेता अनिल गौरछी समेत एक दर्जन किसानों के जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

शिक्षा में निवेश भविष्य को करता है उज्जवल : सिंधु

- न्यायाधीश महावीर सिंधु का पैतृक गांव मसूदपुर में ग्रामीणों ने किया स्वागत
- न्यायाधीश जिस स्कूल में पढ़े उसकी सीढ़ियों पर हुए नतमस्तक

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

बच्चों की शिक्षा में किया गया निवेश राष्ट्र के भविष्य को उज्जवल बनाता है, इसलिए अभिभावक बच्चों को खूब पढ़ाए और आगे बढ़ाएं। यह बातें न्यायाधीश महावीर सिंह सिंधु ने यह बातें अपने पैतृक गांव के शहीद सिपाही मंसाराम पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। बता दें कि न्यायाधीश महावीर सिंह सिंधु ने इसी सरकारी स्कूल में प्राथमिक शिक्षा ग्रहण की थी। उन्होंने विद्यालय की सीढ़िया पर नतमस्तक होते हुए कहा कि मेरे लिए स्कूल से बढ़कर कोई चीज नहीं है। यह कहते हुए न्यायाधीश महावीर सिंह सिंधु भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य ठीक होने पर सबसे पहले आज गांव में पहुंचा हूं। उन्होंने ग्रामीणों तथा विद्यार्थियों से कहा कि स्कूल को मंदिर समझे और जीवन में तरक्की के लिए खूब मेहनत करें। उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि जो बच्चे लक्ष्य हासिल करने के लिए सच्ची लगन से कड़ी मेहनत करेंगे निश्चित रूप से वे सफलता के शिखर तक पहुंचेंगे। कार्यक्रम में गांव के बुजुर्गों ने न्यायाधीश महावीर सिंह सिंधु को पगड़ी पहनकर सम्मानित किया। इससे पूर्व गांव में कई जगहों पर न्यायाधीश पर पुष्प वर्षा कर उनका सम्मान किया गया। इस दौरान न्यायाधीश महावीर सिंह सिंधु ने प्रतिभावान विद्यार्थियों को 1100-1100 रुपये की राशि देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुत किए।

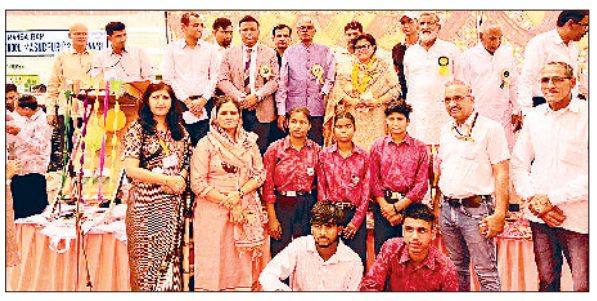

हांसी। विद्यार्थियों को सम्मानित करते न्यायधीश महावीर सिंह सिंधु व अन्य

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जेएमआईसी खुशकरण जोत सिंह, एसडीएम विकास यादव, गांव की सरपंच मेनका देवी, सरपंच प्रतिनिधि कृष्ण कुमार, नायब तहसीलदार सुरेश कुमार, डीएसपी रविंद्र सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार, आदि मौजूद रहे।

हैप्पी पब्लिक स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम व पुरस्कार वितरण समारोह

हांसी। हैप्पी पब्लिक स्कूल में शनिवार को वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित करने एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नप चेयरमैन प्रवीन ऐलावादी व विशिष्ट अतिथि एक्स चेयरमैन रतन सैनी तथा प्रधानाचार्य व डायरेक्टर सुरेंद्र बेरवाल और विजेंद्र वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेंद्र बेरवाल ने स्कूल की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम अत्यंत उत्कृष्ट रहा और सभी कक्षाओं के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा-वार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं अनुशासन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

हांसी। कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते स्कूल प्राचार्य सुरेंद्र बेरवाल व अन्य।

रैज्यूमे लेखन कौशल पर कार्यशाला

हिसार। छाजूराम मैमोरियल जाट कॉलेज के व्यक्तित्व एवं पेशेवर विकास क्लब राइज के तत्वावधान में रैज्यूमे लेखन एवं साक्षात्कार कौशल विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। क्लब के संयोजक डॉ परविन्दर ने बताया कि कार्यशाला में महाविद्यालय के 55 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रथम सत्र में डॉ मोनिका ने विद्यार्थियों को साक्षात्कार कौशल से जुड़े पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को सही शारीरिक भाषा तथा अन्य सॉफ्ट स्किल्स के बारे में जानकारी दी। दूसरे सत्र में डॉ परविन्दर ने विद्यार्थियों को अपना रैज्यूमे बनाने तथा अपने कौशल एवं उपलब्धियों को रेखांकित करने के तरीके बताए। कॉलेज प्राचार्य डॉ सुरेन्द्र कुमार बाजिया ने राइज क्लब के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में निखार आता है। कार्यशाला का आयोजन एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर डॉ चेतना ढुल, डॉ मोनिका तथा डॉ सुशील बजाज के मार्गदर्शन में हुआ।

ट्रांसपोर्ट पर गाड़ी खाली कराने आए चालक ने कीटनाशक पिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

प्रेम-प्रसंग का बताया मामला, हालत गंभीर, सूचना मिलने पर पुलिस ने छानबीन शुरू की

प्रेम प्रसंग के चलते शनिवार को एक युवक ने कीटनाशक का सेवन कर लिया। इस पर युवक को तुरंत नागरिक अस्पताल उपचार के लिए ले जाए गया। युवक सतीश की गंभीर हालत को देखते उसके परिचितों निजी अस्पताल में ले गए, जहां उसका उपचार जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सतीश मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ का रहने वाला है और वर्तमान में वह सेक्टर 15 में रहता है। सतीश ट्रांसपोर्टर के पास गाड़ी में माल सप्लाई का काम करता है। सतीश व उसके परिचत शनिवार को जयपुर से गाड़ी में सामान लोड करके ऑटो मार्केट में आए थे। लोड सामान यहां की एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में उतारना था। सतीश के परिचितों के अनुसार गाड़ी लगाकर सतीश बस स्टैंड के पास गया और वहां पर एक दुकान से कीटनाशक खरीदकर दोबारा ऑटो मार्केट आ गया। वहां आकर उसने कीटनाशक का सेवन कर लिया। सतीश के परिचितों के अनुसार सतीश का लंबे समय से एक युवती के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। अक्सर सतीश की युवती से फोन पर बातचीत हुआ करती थी। प्रेम-प्रसंग के चलते सतीश ने कीटनाशक का सेवन कर लिया।

सतीश ने अपनी मां से फोन पर बात भी की थी

इस दौरान सतीश ने अपनी मां से फोन पर बात भी की थी। उसकी हालत बिगड़ने पर तुरंत उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है।

विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित

हिसार। राजगढ़ रोड स्थित मिलेनियम पब्लिक स्कूल प्रांगण में वार्षिक परिणाम के दौरान विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने विज्ञान विषय में अलग-अलग मॉडल बनाकर अभिभावकों को उन विषयों की संपूर्ण रूप से जानकारी दी। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में अन्य विषय जैसे सामाजिक विज्ञान, गणित और हिंदी को भी प्रदर्शित किया गया। अभिभावकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर बच्चों ने बहुत ही कुशलतापूर्वक दिए। प्रदर्शनी में शिक्षिकाओं द्वारा निर्मित हस्तकला के नमूने भी पेश किए गए जिसके अंतर्गत पेपर मेसी, लिपिन आर्ट, क्रोशिया व पेपर क्विलिंग द्वारा निर्मित ज्वेलरी ने अभिभावकों का मन मोह लिया। प्राचार्य रुबिका खेरा ने बच्चों की सराहना कर उनका उत्साह बढ़ाया गया वह उनकी उपलब्धियां पर अभिभावकों में अध्यापकों को बधाई दी।

ग्राहक पंचायत ने डीईओ को ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। ज्ञापन देते अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के पदाधिकारी एवं सदस्य।

नवीन शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ होते ही जिले के विभिन्न विद्यालयों द्वारा अभिभावकों पर बढ़ते आर्थिक बोझ एवं विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव को लेकर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। इसी संदर्भ में संगठन के पदाधिकारियों ने शनिवार को जिला शिक्षा अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की। संगठन के प्रतिनिधियों ने बताया कि जिले के कई सीबीएसई, आईसीएसई एवं एचबीएसई से संबंधित विद्यालयों द्वारा एनसीईआरटी के स्थान पर निजी प्रकाशकों की महंगी पुस्तकें अनिवार्य की जा रही हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म, किताबें एवं अन्य सामग्री विशेष दुकानों से ही खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिससे अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक भार पड़ रहा है। इसके साथ ही संगठन ने स्कूल बैग पॉलिसी को सख्ती से लागू करने की भी मांग की। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने जिला शिक्षा अधिकारी से मांग की है कि जिले के सभी विद्यालयों में इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही अभिभावकों की शिकायतों के समाधान के लिए प्रभावी तंत्र स्थापित करने की भी मांग की गई है।

किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें आमजन : महेंद्र पाल

एलपीजी व पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं : डीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

उपायुक्त महेंद्र पाल ने कहा है कि जिले में एलपीजी, पेट्रोल व डीजल सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। आमजन से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें, क्योंकि जिले को आवश्यकता अनुसार सप्लाई मिल रही है।

- हिसार जिले को आवश्यकता अनुसार मिल रही सप्लाई

उपायुक्त ने बताया कि जमाखोरी और अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसके लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो लगातार छापेमारी कर रही हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या जमाखोरी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील कि है वे गैस व अन्य पेट्रोलियम पदार्थों का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से करें, ताकि सभी उपभोक्ताओं तक सुचारू रूप से आपूर्ति बनी रहे। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि जिन क्षेत्रों में पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) की सुविधा उपलब्ध है, वहां के उपभोक्ता जल्द से जल्द इसका कनेक्शन लें। इससे न केवल सुविधा बढ़ेगी बल्कि गैस की आपूर्ति भी अधिक व्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित की जा सकेगी।

एक्साइज ड्यूटी में कटौती जनहित में बड़ा कदम : आशा

हिसार। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने केन्द्र सरकार द्वारा फ्यूल एक्साइज ड्यूटी कम किए जाने की सराहना करते हुए इसे सरकार का जनता के हित में बड़ा कदम बताया है। उन्होंने कहा कि तेल संकट के समय में केन्द्र ने पैट्रोल व डीजल पर एक्साइज डॅयूटी में बड़ी कटौती की है, जिससे जनता को उसी दर पर तेल मिलता रहेगा। डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि केन्द्र सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए पैट्रोल व एक्साइज ड्यूटी 13 रुपये से घटाकर तीन रुपये व डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10 रुपये घटाकर शून्य कर दिया है। केन्द्र के इस फैसले से तेल की कीमतों को नियंत्रित रखने में मदद मिलेगी और जनता को संकट के इस समय में तेल कीमतों में बढ़ोतरी का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार जनहित में व जनता के हितों को ध्यान में रखकर काम कर रही है। यही कारण है कि सरकार ने जनता पर पड़ने वाला भार खुद वहन करके जनता के हर वर्ग को बड़ी राहत दी है।

डॉ. आशा खेदड़, जिलाध्यक्ष।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 29 मार्च 2026

जीवन की दिशा बदल देगा जापानी दर्शन
मिलेगी अच्छी सेहत-खुशी और सुकून

शांति पसंद करने वाले खुशहाल-समृद्ध देश जापान के लोगों का जीवन दर्शन ही ऐसा है, जो उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और भरपूर सुकून देता है। जापानी जीवन दर्शन के कुछ सरल सिद्धांत अपनाकर आप भी अपने जीवन में खुशहाली के साथ सफलता भी हासिल कर सकते हैं। जापानी दर्शन के ऐसे ही कुछ सिद्धांतों के बारे में जानिए।

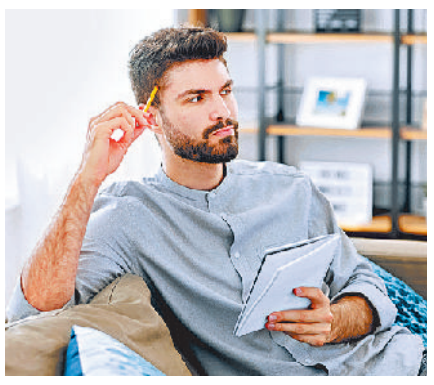

{ कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन }

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई सफलता के साथ-साथ सुकून और शांति की चाहत भी रखता है। लेकिन समृद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा के पीछे भागते हुए हम अकसर उस सबसे कीमती चीज को खो देते हैं, जिसे 'सुकून' कहते हैं। गलत खान-पान, बढ़ती मानसिक-शारीरिक बीमारियां, तनाव, अकेलापन और हर वक्त मन में कुछ अधूरा-सा महसूस होना, आधुनिक समय में लगभग हर व्यक्ति की समस्या बन चुकी है। ऐसे में सदियों पुराने जापानी जीवन दर्शन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

हारा हाची बु सेहत-दीर्घायु का आहार मंत्र

जापानी स्वास्थ्य दर्शन का एक गोल्डन रूल है 'हारा हाची बु'। इसका सरल अर्थ है, 'केवल तब तक खाएं, जब तक आपका पेट 80 प्रतिशत न भर जाए।' यह सिद्धांत हमें 'ओवर ईटिंग' से बचाता है। वैज्ञानिक रूप से, मस्तिष्क को पेट भरने का संकेत मिलने में लगभग 20 मिनट लगते हैं। जब हम 80 प्रतिशत पर रुक जाते हैं, तो हम वास्तव में अपनी भूख के अनुसार सटीक मात्रा में खाते हैं। यह आदत हमें मोटापे, हृदय रोग और मधुमेह को दूर रखती है। जापान के प्रांत ओकिनावा के लोगों की लंबी उम्र का एक बड़ा कारण इस जीवन दर्शन को माना जाता है।

शोकूनिन अपने काम में रुचि लेना

जो लोग अपने पेशे या व्यवसाय को बोझ समझते हैं और अपनी किस्मत को कोसते हुए इसे किसी तरह निपटाने की मानसिकता रखते हैं, वे न तो प्रोफेशनल फ्रंट पर सफल हो पाते हैं न सुखी रहते हैं। ऐसे में आपको जापानी दर्शन 'शोकूनिन' समझना चाहिए। इसका अर्थ केवल 'कारीगर' से संबंधित नहीं है, बल्कि यह एक दृष्टिकोण है। एक शोकूनिन अपने काम को पूर्णता के साथ करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर देता है, चाहे वह सुशी जैसी डिश बनाना हो या जूते की सिलाई करना हो। इसमें हमारे काम के प्रति गहरी जिम्मेदारी का भाव निहित होता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि काम केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारने का एक साधन भी है। जब हम शोकूनिन भाव से काम करते हैं, तो काम बोझ नहीं, बल्कि आनंद का जरिया बन जाता है।

काइजन छोटे सुधारों का जादू महसूस करें

जापानी दर्शन काइजन का अर्थ है-बेहतरी के लिए बदलाव। अकसर हम सोचते हैं कि जीवन बदलने के लिए रातों-रात कोई बड़ा परिवर्तन करना होगा। लेकिन काइजन कहता है कि आप हर दिन स्वयं में केवल एक प्रतिशत सुधार करें। जैसे आदतों में, अनुशासन में, नई चीजें सीखने में, रिश्तों में। ये छोटे-छोटे सुधार साल के अंत में आपको एक नया इंसान बना देंगे। टोयोटा जैसी कंपनियों की सफलता में बड़ी भूमिका निभा चुकी यह जीवन पद्धति, व्यक्ति के रूप में हमें भी नई ऊंचाइयों पर ले जाती है।

वाबी-साबी अपूर्णता में सुंदरता की तलाश

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां 'परफेक्ट' दिखने का जुनून हम में से अधिकतर लोगों पर हावी है। जापानी दर्शन 'वाबी-साबी' इसके विपरीत बात कहता है। यह हमें सिखाता है कि कुछ भी स्थायी नहीं है और कुछ भी पूर्ण नहीं है। पुराने पत्थरों पर जमी काई या दरार पड़े मिट्टी के बर्तनों में भी एक इतिहास और सुंदरता होती है। यह दर्शन हमें अपनी कमियों को स्वीकार करना सिखाता है। जब हम अपनी 'अपूर्णता' को स्वीकार कर लेते हैं, तो अनावश्यक सामाजिक प्रदर्शन का अनावश्यक बोझ उतर जाता है।

किंतसुगी जख्मों का स्वर्ण श्रृंगार

जापान में जब कोई मिट्टी का बर्तन टूटता है, तो उसे फेंकने के बजाय सोने की परत से जोड़ा जाता है। इसे 'किंतसुगी' कहते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमारे जीवन के घाव, असफलताएं और बुरे अनुभव हमें कमजोर नहीं, बल्कि और भी कीमती बनाते हैं। टूटने के बाद जब हम खुद को फिर से जोड़ते हैं, तो हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, सुंदर और अद्वितीय होकर उभरते हैं।

शिनरिन-योकू प्रकृति की मौन चिकित्सा

जापानी लोग 'फॉरेस्ट बाथिंग' में विश्वास रखते हैं। इसका अर्थ है प्रकृति के माहौल को अपनी पांचों इंद्रियों से महसूस करना। मोबाइल, टीवी, लैपटॉप को छोड़कर नेचर के करीब समय बिताना एक कारगर चिकित्सा है। नेशनल ज्योग्राफिक के शोध के अनुसार, पेड़ों के बीच समय बिताने से तनाव का हार्मोन 'कोर्टिसोल' कम होता है और इम्यूनिटी बढ़ती है।

गमन धैर्य और गरिमा का संगम

जापानी दर्शन 'गमन' का अर्थ है प्रतिकूल परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना। चाहे सुनामी आए या व्यक्तिगत संकट, जापानी समाज विलाप करने के बजाय शांत रहकर पुनर्निर्माण में जुट जाता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि सहनशीलता का अर्थ हार मानना नहीं, बल्कि कठिन समय में गरिमा के साथ अडिग रहना है।

इकिगाई सुबह जागने का ठोस कारण

जापान के ओकिनावा द्वीप को 'ब्लू जोन' कहा जाता है, जहां लोग 100 साल से अधिक जीते हैं। उनकी लंबी आयु का रहस्य है-इकिगाई के अनुसार जीना। इकिगाई का अर्थ है, जीवन जीने का उद्देश्य। यह चार स्तंभों पर टिका होता है। आप क्या पसंद करते हैं, आप किसमें कुशल हैं, दुनिया को इससे क्या मिलेगा और आपको किस काम के लिए पैसे मिल सकते हैं? फोर्ब्स के अनुसार, जिस दिन व्यक्ति को अपनी इकिगाई मिल जाती है, उसके जीवन से बोरियत, ऊब, तनाव और 'रिटायरमेंट' जैसे शब्द गायब हो जाते हैं, क्योंकि वह ऐसा काम कर रहा होता है जिससे उसे प्यार होता है।

जापानी दर्शन के ये सरल सिद्धांत अगर आप अपनाकर जीवन जीना सीख लें तो आपको जीवन में भरपूर खुशी और सुकून मिलेगा। *

सोलो एजिंग बढ़ती उम्र में जिंदगी का भरपूर मजा

अभी तक यही माना जाता रहा है कि सेवानिवृत्त और दायित्वों से मुक्त होने के बाद बुजुर्ग लोग अकेलेपन-उदासी भरी जिंदगी जीते हैं। लेकिन कई अध्ययनों से साबित हुआ है कि बुजुर्ग अब सोलो एजिंग को खूब एंज्वॉय करना सीख गए हैं। अब वे उदास नहीं हर पल को खुल कर जीते हैं।

{ लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा }

एक ताजा अध्ययन में बुजुर्गों से जुड़ा यह निष्कर्ष सामने आया है कि उम्रदराज लोग अब शिकायतों के बजाय खुद को संभालने की राह चुन रहे हैं। स्टडी में शामिल अधिकतर वरिष्ठजनों ने बताया कि वे पांच साल से ज्यादा समय से अकेले रह रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर जिंदगी को मैनेज करने में आने वाली परेशानियों को भूलकर उन्होंने अकेले रहना चुना है। सोलो एजिंग के इस सफर में अपने जीवन से खुश रहने वाले बुजुर्गों का आंकड़ा ज्यादा है। एजवेल फाउंडेशन की इस रिपोर्ट के मुताबिक हमारे देश में सोलो एजिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है। अकेले रहने वाले बुजुर्गों में 46.9 फीसदी सोलो एजर्स अपनी जिंदगी से खुश हैं, जबकि 41.5 प्रतिशत असंतुष्ट हैं। 10,000 बुजुर्गों को लेकर की गई यह स्टडी उम्रदराज लोगों के मन और जीवन का बदलता खाका हमारे सामने रखती है।

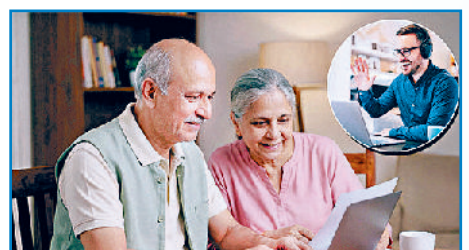

शिकायत नहीं एडजस्टमेंट की सोचः बच्चों के करियर के लिए विदेश या दूसरे शहरों में जाने के बाद अकेले रह रहे बुजुर्ग, दोषारोपण के बजाय अपनी देखभाल खुद ही करने की राह चुन रहे हैं। यह सच है कि संयुक्त परिवारों के टूटने से घर के बड़े सदस्यों में अकेलापन बढ़ा है पर वे अपने आप को बिजी रखना भी सीख रहे हैं। दूर रहने वाले बच्चों से जुड़े रहने के लिए गैजेट्स को यूज करना सीख रहे हैं। बुजुर्ग यह समझते हैं कि उनके बच्चे चाहकर भी हर समय उनके साथ नहीं रह सकते। यही वजह है कि इन हालातों में तनाव में घिरने के बजाय वे खुशी-खुशी जीवन से जूझने के रास्ते पर चलने लगे हैं। सोलो एजिंग का यह ट्रेंड बड़े-बुजुर्गों की बदलती लाइफस्टाइल से जुड़े इसी पहलू की तस्दीक करता है।

सक्रियता को प्राथमिकताः सुखद यह है कि सोलो एजिंग का ट्रेंड कोई थोपे जाने वाला चलन नहीं है। अकेले रहने वाले बुजुर्ग बहुत-सी परेशानियों का सामना करने के बावजूद खुद को सक्रिय रखने के फ्रंट पर जी-जान से जुटे रहते हैं। थकते कदमों के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों का बोझ नहीं, बल्कि सक्रिय रहने का बहाना मानते हैं। अकेले सब कुछ मैनेज करने के दबाव को एक्टिव और सधी हुई जीवनशैली के रूप में देखने लगे हैं। इस उम्र में सेहत और सामाजिक जीवन से जुड़ी बहुत-सी उलझनों के बीच भी अपने मन को संभालने का जतन वे खुशी से कर रहे हैं। किसी भी तरह के व्यायाम, वॉकिंग, योग आदि के लिए समय निकालते हैं। एक्टिव एजिंग वाली जीवनशैली, उनको स्वस्थ रखने में भी अहम भूमिका निभाती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक एक्टिव एजिंग, बुढ़ापे को एक प्रोडक्टिव और खुशनुमा अनुभव बनाने की स्ट्रेटजी है, न कि इसे अंत मानने की। मौजूदा दौर में बुजुर्ग इस खुशनुमा ट्रांसफॉरमेशन के लिए तकनीक की मदद भी ले रहे हैं। ऑनलाइन सुविधाओं से लेकर अपने बच्चों और रिश्तेदारों से जुड़े रहने तक, बुजुर्गों ने तकनीक के नए रंगों को सहजता से अपनाया है।

कर रहे आजादी का एहसासः असल में सोलो एजिंग के चलन से आत्मनिर्भर बनने का भाव भी जुड़ा है। अपनी जिंदगी को अपने अंदाज में जीने से आजादी का गहरा एहसास भी जुड़ा है। यही वजह है कि अकेलेपन और हेल्थ से जुड़ी बहुत-सी चुनौतियों के बावजूद बुजुर्गों का एक बड़ा वर्ग यानी 46.9 प्रतिशत बुजुर्ग इन हालातों को स्वतंत्र रूप से अपना जीवन जीने के तौर पर भी देख रहा है। इसी एक पॉजिटिव सोच के चलते उम्रदराज लोग अकेले रहकर भी अपने जीवन से खुश हैं। इस स्टडी के मुताबिक 31 फीसदी से ज्यादा बुजुर्गों ने फाइनेंशियल और सोशल स्वतंत्रता के लिए अकेले रहने का विकल्प चुना है। वहीं 26.7 फीसदी का कहना है कि परिवार के युवा मेंबर्स के बाहर जाने से वे अकेले रह रहे हैं। नई पीढ़ी के दूर जाने को लेकर कोई शिकायत करने के बजाय बुजुर्ग इसे इंडिपेंडेंट रहने के अवसर की तरह देखने लगे हैं। शारीरिक रूप से नहीं भावनात्मक फ्रंट पर भी बुजुर्ग अब दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहते। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्वतंत्रता उनके सुकून से भी जुड़ी है। *

{ व्यंग्य / राजा चौरसिया }

बने रहो पगला...

'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे।

यह सेंट पर्सेंट पेटेंट सत्य है कि एकरसता से नीरसता ही उपजती है। पतझड़ के बाद ही वसंत वाली बहार की भरमार आती है। इसी प्रकार बीमार के लिए अनार परोसने के क्रिया-कलाप का प्रदर्शन अनिवार्य कार्य है। यदि उत्सव न होते तो ढेर सारी सुख- सुविधाओं के रहते हुए भी खुशी के अभाव में नदी किनारे घोंघा प्यासा की कहावत ही चरितार्थ होती रहती। जैसे रात के बाद ही प्रभात आता है, अमावस्या के उपरांत ही पूर्णिमा होती है। इसी प्रकार मूर्खता के पश्चात ही विद्वता का अवतरण होता है। कीचड़ के बिना कमल की कल्पना, धुएं के बादलों से बरसात की सरासर झूठी कल्पना सरीखी है। हार्ट को रुचने वाले शॉर्ट और स्मार्ट शब्दों में यह डंके की चोट पर कहा जा सकता है कि मूर्खता या मूढ़ता ही विद्वता की मातेश्वरी होती है। हाथी के दांत के आचरण वाले उदाहरण हवा-पानी की तरह यत्र-तत्र, सर्वत्र व्याप्त हैं। इसकी महत्ता को समझते हुए ही कुछ चतुर चालाक लोग बुद्धिमान होते हुए भी मूढ़ बने रहते हैं। इसीलिए संयोग नहीं बल्कि दुर्योग है कि असली और फसली मूर्खों से ज्यादा नकली मूर्खों की तादाद बेमियाद बढ़-चढ़ रही है। अत्याधुनिकता की मानसिकता एवं प्रासंगिकता को प्राथमिकता देने से नकली मूर्खों या धूर्तों की बाढ़ खासी प्रगति पर है। झूठे शुभचिंतकों तथा सच्चे अशुभचिंतकों के इस काबिलेगौर दौर में चातुर्य का प्राचुर्य रहते हुए भी दूसरों के सामने मूर्ख, बुद्धू, घुग्घू और उल्लू बने रहने के कायदे से फायदे ही फायदे हैं। मन से थू-थू करते हुए भी मुंह से आई लव यू कहना अवसरवाद का बढ़िया अपडेट सर्टिफिकेट है। मीठे गवाक्ष से तीखे कटाक्ष करने का बेहतरीन एवं हसीन आइडिया है। बुद्धिजीवी को मित्र बनाना मूर्खता है, लेकिन किसी मूर्ख को बुद्धिमान होने का आभास कराना सबसे कारगर बुद्धिजीविता है। 'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। घर, दफ्तर हो या आस-पड़ोस सरल से सरल काम भी न कर पाने का प्रमाण दिखाकर आपको मूर्ख घोषित कर दिया जाएगा तो आगे कभी कोई काम करने की जिम्मेदारी आपको नहीं मिलेगी। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे। मूर्ख न होकर भी मूर्ख बने रहने से ही दांपत्य जीवन की कुशलता विशेष तो नहीं, मगर शेष बची ही रहती है। जान-बूझकर उल्लू यानी गृहलक्ष्मी के वाहन बने रहने से गृहस्थी की गाड़ी सरपट दौड़ती रहती है। ज्वालामुखी को चंद्रमुखी अर्थात् लालमिर्ची को मिश्री कहने का यह नीक-सलीका भरपूर स्वागतेय है। विद्वता झाड़ते हुए तर्क, वितर्क और कुतर्क से बेकार का भेजा भंजन ही होता है, जबकि जन्म से ही मूर्ख पैदा हुए उच्च पदासीन मंत्री या अफसर को इंटेलीजेंट, ब्रिलिएंट तथा डिलीजेंट होने का आभास कराते रहने से अपना उल्लू सीधा होता रहता है। जनता का सेवक बनकर महानुभाव कितनी मलाई खाते हैं, यह सेवा करवाने वाली जनता खूब जानती और समझती है। दरअसल, जनतंत्र में तो जनता मूर्ख न होकर भी मूर्ख बनती ही रहती है। उसके लिए कोई खास दिन नहीं, हर दिवस सहर्ष मूर्ख दिवस ही होता है। मूर्ख दिवस वास्तव में उन लोगों का ही उत्सव है, जो दीन, हीन और खुद को मूर्ख बताकर दूसरों को मूर्ख बनाते हैं, अपना काम निकलवाते हैं। *

विज्ञापन...
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।
सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। NBC@

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पिटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

मेरे लिखने की मेज

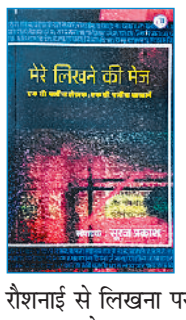

हाल में वरिष्ठ साहित्यकार सूरज प्रकाश के संपादन में 'मेरे लिखने की मेज' पुस्तक छपकर आई है। इसमें नई और वरिष्ठ पीढ़ी के कुल मिलाकर 125 लेखकों की उनके लेखन से जुड़ी दास्तानें दर्ज हैं। यह किताब पढ़कर लेखन प्रक्रिया को अलग-अलग दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है। कोई रचना लिखने की शुरुआत कैसे होती है, उसके लिए अनुकूल स्थिति या वस्तुएं क्या होती हैं, लिखने के पहले और उसके बाद किस तरह का अनुभव होता है, कौन से कारण लिखने के लिए किसी लेखक को विवश करते हैं? ऐसे तमाम सवालों के जवाब किताब में शामिल लेखकों ने दिए हैं। वरिष्ठ लेखक असगर वजाहत अपने लेखन के बारे में कहते हैं, 'सफेद कागज पर काली रौशनाई से लिखना पसंद करता हूं। सफेद को काला करने का जुनून सा उठता रहता है। सफेद कागज मुझे बेचैन कर देता है।' अपने लेखन के बारे में आकांक्षा पारे कहती हैं, 'मुझे रात की जरूरत होती है, जब मुझे पता है, कोई फोन नहीं करेगा, दरवाजे की कोई घंटी नहीं बजेगी।' वरिष्ठ कथाकार प्रकाश मनु लेखन को पूजा-अर्चना की तरह पवित्र कर्म मानते हैं। वह कहते हैं, 'अपने कमरे के जिस कोने में बैठकर मैं लिखता-पढ़ता हूं, वहां गंगा, यमुना, सरस्वती तीनों नदियां बहती हैं। इसलिए उससे पवित्र स्थान तो कोई और हो ही नहीं सकता।' वरिष्ठ कवि लीलाधर मंडलोई अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में कहते हैं, 'लिखते वक्त अपने संगतकारों यानी डायरी, कागज, पेन और लिखने की आधार जगह से संगत बनाता हूं... और मैं आगत रचना के सामने विनत भाव से बैठ जाता हूं।'

भले ही यह किताब किस्से, कहानी या कविता की नहीं है लेकिन इसे पढ़ने के दौरान रोचक कहानियों के पढ़ने जैसा ही आनंद आता है। *

पुस्तकः मेरे लिखने की मेज, संपादकः सूरज प्रकाश, मूल्यः 449 रुपए, प्रकाशकः अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

रोचक
अंजू जैन

अप्रैल फूल-डे स्पेशल

फर्स्ट अप्रैल यानी अप्रैल फूल डे पर लोग एक-दूसरे के साथ प्रैंक कर खूब एंज्वॉय करते हैं। अतीत में इस मौके पर कुछ मशहूर कंपनियों, टेलीविजन और रेडियो स्टेशंस ने ऐसे प्रैंक्स किए, जिसकी पूरी दुनिया में चर्चा हुई। यहां ऐसे ही कुछ चर्चित अप्रैल फूल प्रैंक्स के बारे में बता रहे हैं।

दुनिया भर में मशहूर हुईं ये मजेदार शरारतें

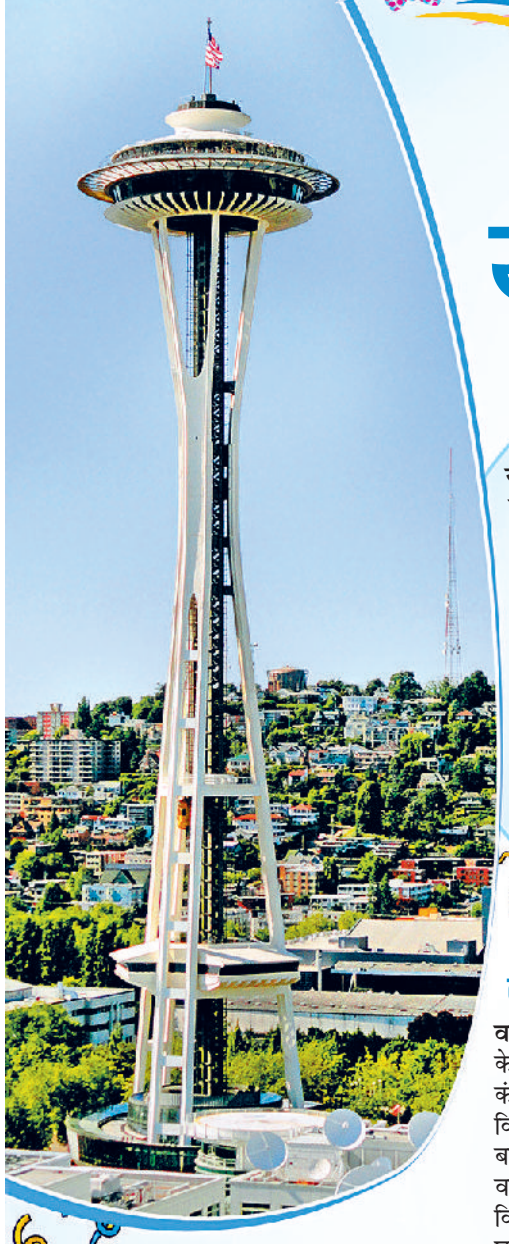

स्पेस नीडल गिरने की खबर

यह प्रैंक 1 अप्रैल 1989 को शाम के समय टीवी पर प्रसारित किया गया था। सिएटल के एक स्थानीय स्केच कॉमेडी शो, 'ऑलमोस्ट लाइव!' ने किंग टीवी पर एक विशेष रिपोर्ट प्रसारित की थी। रिपोर्ट में गंभीरता से दावा किया गया कि शाम 6:53 पर वाशिंगटन के सिएटल में स्थित स्पेस नीडल गिर गई है। शो ने टॉवर के गिरने की फर्जी तस्वीरें और चश्मदीदों के झूठे इंटरव्यू भी दिखाए। यह प्रैंक इतना विश्वसनीय लगा कि पूरे सिएटल में दहशत फैल गई। लोगों ने घबराहट में इमरजेंसी सेवाओं पर इतने फोन किए कि लाइनें ठप हो गईं। यहां तक कि टॉवर के आस-पास रहने वाले लोग भागने लगे। स्थिति बिगड़ने के बाद, चैनल को तुरंत स्पष्ट करना पड़ा कि यह सिर्फ एक मजाक था। बाद में, शो के निर्माताओं और चैनल को इस प्रैंक के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी थी। *

टूथपेस्ट से बर्गर की स्मेल

साल 2017 में फास्ट-फूड चेन बर्गर किंग ने दावा किया कि उन्होंने एक ऐसा टूथपेस्ट बनाया है, जिसमें एक्टिव हॉपर अर्क है, इसके कारण आपके मुंह से हमेशा बर्गर की खुशबू आएगी। लोग ब्रश करने के बाद भी अपने पसंदीदा बर्गर के स्वाद का आनंद ले सकेंगे। विज्ञापन में बताया गया कि इसमें 'व्हाइटनिंग अनियन' (सफेद करने वाले प्याज), 'डेली फ्रेश टोमैटो' (ताजा टमाटर) और एंटी-कैविटी स्टेक (कैविटी रोकने वाला मांस) जैसी चीजें शामिल हैं। इस प्रैंक को असली दिखाने के लिए बर्गर किंग फ्रांस और विज्ञापन एजेंसी बजमैन ने एक 60 सेकेंड का कमर्शियल वीडियो भी जारी किया था। यह प्रैंक मार्च के अंत में (29-31 मार्च) शुरू किया गया था ताकि 1 अप्रैल तक लोगों को भ्रमित किया जा सके। यह केवल एक मजेदार विज्ञापन अभियान था और बर्गर किंग ने कभी-भी ऐसा कोई टूथपेस्ट बाजार में नहीं बेचा। *

लेफ्ट-हैंडेड बर्गर

वर्ष 1998 में एक अप्रैल के आस-पास बर्गर किंग कंपनी ने अखबारों में विज्ञापन दिया कि उन्होंने बाएं हाथ से काम करने वाले लोगों के लिए एक विशेष बर्गर बनाया है, जिसमें सभी मसाले 180 डिग्री घुमाकर रखे गए हैं। यह सुनकर हजारों लोग इसे ऑर्डर करने लगे। बाद में पता चला कि यह प्रैंक था। *

हूटर्स वेट्रेस और योडा

वर्ष 2001 में घटित हुई एक घटना, जो एक मजाक के रूप में शुरू हुई थी, लेकिन बाद में यह कानूनी लड़ाई में बदल गई थी। इसे 'टॉय योडा' केस के रूप में जाना जाता है। हुआ यह कि अप्रैल 2001 में, पनामा सिटी बीच, फ्लोरिडा के हूटर्स रेस्तरां के मैनेजर ने अपनी वेट्रेसेस के बीच बीयर बेचने की एक प्रतियोगिता रखी। मैनेजर ने वादा किया कि जो सबसे ज्यादा बीयर बेचेगी, उसे इनाम में एक नई टोयोटा (कार) दी जाएगी। जोडी बेरी नाम की वेट्रेस ने सबसे ज्यादा बिक्री की और प्रतियोगिता जीत ली। जब इनाम देने का वक्त आया, तो मैनेजर ने जोडी की आंखों पर पट्टी बांधी और उसे पार्किंग लॉट में ले गया। लेकिन वहां कोई कार नहीं थी। इसके बजाय उसे 'स्टार वार्स' फिल्म के पात्र योडा का एक खिलौना थमा दिया गया। जोडी को यह मजाक बिल्कुल पसंद नहीं आया। उसने नौकरी छोड़ दी। यही नहीं रेस्तरां पर धोखाधड़ी और अनुबंध तोड़ने का मुकदमा भी दायर कर दिया। *

स्क्रीन में सुगंध

साल 2013 में गूगल ने अपने एक नए फीचर 'गूगल नोज' के जरिए दावा किया था कि अब लोग सर्च इंजन के माध्यम से चीजों को सूंघ भी सकेंगे। दावा किया गया कि उनके पास 15 मिलियन से अधिक सुगंधों का डेटाबेस है। गूगल यूजर्स को इसका अनुभव लेने के लिए कहा गया कि वे सर्च बार में जाकर कुछ सर्च करें और फिर अपने डिवाइस की स्क्रीन के करीब जाकर सूंघें। इसमें 'नई कार की महक', 'गीले कुत्ते की महक' और यहां तक कि 'मिस्र के मकबरे' जैसी अजीबो-गरीब चीजों को सूंघने का विकल्प दिया गया था। लेकिन इसे टेस्ट करने के लिए जब लोग स्क्रीन सूंघने की कोशिश करते और कुछ महसूस नहीं होता, तो अंत में एक संदेश आता कि यह अप्रैल फूल प्रैंक था। *

पर्यटन स्थल
समीर चौधरी

स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। लेकिन अगर आप यहां स्वच्छ, मनोरम वादियों के बीच आध्यात्मिक शांति का अनुभव लेना चाहते हैं तो 'की गोंपा' यानी 'की मठ' जरूर जाना चाहिए। इसकी विशेषताओं पर एक नजर।

स्वर्ग जैसी अनुभूति देता है स्पीति घाटी का 'की मठ'

हिमाचल प्रदेश के स्पीति में काजा से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित 'की मठ' की सैर के दौरान आपको एहसास होगा कि जैसे स्वर्ग पृथ्वी पर उतर आया है। हालांकि अपने देश और हिमाचल प्रदेश के अन्य पर्वतीय पर्यटन स्थलों की तुलना में यहां पर्यटकों की आवक कम होती है।

सबसे पुराना-बड़ा मठः लगभग 13,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित 'की मठ' स्पीति घाटी में सबसे पुराना और सबसे बड़ा मठ है। पहाड़ के ऊपर स्थित यह मठ कई मंजिला है, जिसकी तुलना अकसर लेह के निकट स्थित आइकॉनिक थिकसे मठ से की जाती है। अपने ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के अतिरिक्त 'की गोंपा' अपनी सुंदर संरचना और शांत वातावरण के लिए भी विख्यात है।

निर्माण और नवीनीकरणः की गोंपा का निर्माण 11वीं सदी के आस-पास माना जाता है। इस मठ का गहरा संबंध बौद्ध संत लोचेन रिनचेन जंगपो के पूजनीय अवतारों से है, जो 958 से 1055 ईस्वी के बीच हुए थे। इसकी गहरी जड़ें प्राचीन कदंपा विरासत से भी जुड़ी हैं और इसे लोचेन तुलकुस विरासत की पीठ माना जाता है। इस विरासत के माध्यम से 'की मठ' 11वीं शताब्दी के विख्यात बौद्ध विद्वान और संत अतिशा दिपांकर से भी जुड़ जाता है।

इस मठ का पुनर्निर्माण 15वीं शताब्दी के शुरू में शेरपा जंगपो ने करवाया, जो गेलुग्पा समुदाय के संस्थापक जे त्सोंगखापा के शिष्य थे। पांचवें दलाई लामा के युग में यानी 17वीं शताब्दी में इस मठ पर मंगोलों ने हमला किया, जिसके बाद यह औपचारिक रूप से गेलुग्पा स्कूल (प्रमुख तिब्बती बौद्ध संप्रदाय) का हिस्सा बन गया। फिर 1820 के लद्दाख-कुल्लू टकराव के दौरान भी इसे नुकसान पहुंचा। 1841 में डोगरा सेना और सिख सेना ने इसे काफी नुकसान पहुंचाया। 1840 के दशक में इसमें भयंकर आग भी लगी थी। 1975 में आए भूकंप की वजह से भी इस मठ को काफी नुकसान पहुंचा था। तब आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया और स्टेट पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने इसकी मरम्मत कराई थी।

बहुत कुछ है दर्शनीयः 'की मठ' की बाहरी सुंदरता तो मनोरम और स्वार्गिक अनुभूति देने वाली है ही, मठ के भीतर भी बहुत कुछ ऐसा है, जो दर्शनीय है।

साल 2000 में 14वें दलाई लामा ने इस मठ में एक नए विशाल असेंबली हॉल का उद्घाटन किया था। इस हॉल की दीवारों पर कुछ बहुत ही सुंदर प्राचीन पेंटिंग्स लटकी हुई हैं, जो बुद्ध के पिछले जन्मों की कहानियों को व्यक्त करती हैं। मुख्य असेंबली हॉल के सामने पूजा करने का कमरा है, जिसमें एक विशाल पूजा चक्र है। इसके अलावा पद्मसंभव और अमितायुस की प्रतिमाएं भी हैं। 'की मठ' अपनी वॉल हैंगिंग्स और ऐतिहासिक कलाकृतियों के लिए विख्यात है। मठ के टॉप फ्लोर पर जो अपार्टमेंट है, वह दलाई लामा के लिए आरक्षित है। निचले माले पर मठ की रक्षा करने वाले देवताओं को समर्पित एक मंदिर है, जबकि उसके नीचे जो एक अन्य असेंबली हॉल है, उसे छोटे आयोजनों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यहां दुर्लभ धर्मग्रंथ, पुरानी वॉल पेंटिंग्स और भविष्य के बुद्ध मैत्रेय की मूर्ति भी है।

यात्रा का उपयुक्त समयः 'की मठ' की यात्रा के लिए आदर्श समय मई से अक्टूबर के बीच का है, जब यहां हल्की-सुहानी ठंड पड़ रही होती है। सड़कें खुली होती हैं और स्पीति वादी की सुंदरता अपने शबाब पर होती है। इस दौरान यहां का तापमान आमतौर से 10 डिग्री सेंटीग्रेड से 25 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच में होता है।

ठंड के मौसम में तो यहां तापमान माइनस 20 डिग्री सेंटीग्रेड तक गिर जाता है। भारी बर्फबारी के कारण सड़कें बंद हो जाती हैं। हालांकि मठ तो खुला रहता है, लेकिन उस तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

जो पर्यटक सांस्कृतिक अनुभव लेने की इच्छा रखते हैं, उन्हें अपनी यात्रा की योजना जुलाई में बनानी चाहिए, जब यहां चाम उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस उत्सव में बौद्ध भिक्षु परंपरागत मुखौटा नृत्य करते हैं। यह नृत्य बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक रूप में किया जाता है। *

मौसम में गर्माहट घुलने के साथ ही युवाओं का फैशन और ड्रेसिंग स्टाइल बदलने लगा है। बदलते हुए फैशन ट्रेंड को देखकर लगता है कि इन गर्मियों में जेंडर न्यूट्रल फैशन का क्रेज रहेगा। यंगस्टर्स को यह फैशन ट्रेंड क्यों इतना भा रहा है?

इन गर्मियों में रहेगा जेंडर न्यूट्रल फैशन का क्रेज

ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा

मार्च की शुरुआत के साथ ही हल्की गर्माहट जैसे वातावरण में फैली तो कॉलेज परिसरों, कैफे और शहर की सड़कों पर एक नया फैशन ट्रेंड दिखाई पड़ने लगा। यह है जेंडर न्यूट्रल फैशन। वास्तव में यह केवल ड्रेस का बदलाव नहीं, बल्कि सोच और पहचान का बदलाव भी है। अब फैशन यह नहीं पूछता कि आप मेल हैं या फीमेल। अब फैशन यह जानना चाहता है कि आप कौन हैं? भारत के युवा विशेषकर जेन-जी और नए प्रोफेशनल्स अब ऐसी ड्रेसेस चुन रहे हैं, जो आरामदायक हों, अभिव्यक्ति के अनुकूल हों और किसी जेंडर विशेष की सीमाओं में न बंधते हों।

बदल रही है फैशन की परिभाषा

लंबे समय तक फैशन की दुनिया स्त्री और पुरुषों के दो अलग-अलग खांचों में बंटी रही है। लेकिन हाल के सालों में फैशन के बीच जेंडर की यह दूरी धीरे-धीरे धुंधली होने लगी है। आज के युवा मानते हैं, ड्रेस शरीर के लिए होती है, किसी जेंडर विशेष के लिए नहीं। दिल्ली, मुंबई, पुणे और बैंग्लुरु के कॉलेजों में यह अब आम दृश्य है कि एक ही तरह के ओवर साइज शर्ट लड़कियां भी पहनती हैं और लड़के भी। वैसे ही ढीले ट्राउजर भी दोनों पहनते खूब दिखते हैं। जेंडर न्यूट्रल फैशन अब सिर्फ बड़े शहरों और सेलिब्रिटी क्लास की ही सोच नहीं दर्शाता बल्कि यह अवधारणा छोटे शहरों से लेकर मझोले शहरों और कस्बों तक में फैल रही है।

गर्मियों के लिए है उपयुक्त

जेंडर न्यूट्रल फैशन, किसी और मौसम में चाहे दोनों के लिए उपयुक्त न हो, लेकिन गर्मी के मौसम में यह ब्वॉयज और गर्ल्स दोनों के लिए आरामदायक फैशन माना जाता है। लूज ड्रेसेस, शरीर को जहां पसीने की परेशानी से दूर रखती हैं, वहीं लिनेन और कॉटन जैसे नेचुरल फैब्रिक, त्वचा के अनुकूल होते हैं। यही कारण है कि इन गर्मियों में लिनेन की शर्ट, कॉटन कुर्ते और ढीले ट्राउजर खूब लोकप्रिय होने जा रहे हैं।

ये कलर्स रहेंगे पॉपुलर

जेंडर न्यूट्रल फैशन की पहचान केवल डिजाइन या फैब्रिक से नहीं, रंगों से भी होती है। आने वाले दिनों में ब्राइट कलर्स की जगह, बेज, व्हाइट, ग्रे, ऑलिव ग्रीन और लाइट ब्लू जैसे प्लीजेंट कलर्स का बोलबाला रहने वाला है। क्योंकि ये कलर्स हमारी आंखों के साथ-साथ त्वचा और पूरे शरीर को गर्मी से राहत देते हैं। इन कलर्स की ड्रेसेस मेल-फीमेल सभी पर सूट करते हैं।

सोशल मीडिया का रोल

जेंडर न्यूट्रल फैशन की ओर झुकाव की एक बड़ी वजह सोशल मीडिया भी है। इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और पिंटरेस्ट जैसे सोशल साइट्स पर हजारों युवा इन दिनों फैशन कंटेंट खूब बना रहे हैं, जो जेंडर की सीमाओं को तोड़ते हैं। अब फैशन डिजाइनर ही फैशन ट्रेंड तय नहीं करते बल्कि कॉलेज के युवा, यंग प्रोफेशनल्स और कंटेंट क्रिएटर्स भी फैशन के नए ट्रेंड सेट कर रहे हैं। एक सिंपल ओवर साइज शर्ट और लूज ट्राउजर में बनी इंस्टाग्राम की वायरल रील भी लाखों युवाओं को यह फैशन अपनाने के लिए प्रेरित कर सकती है।

कंफर्ट-स्टाइल से कहीं बढ़कर

जेंडर न्यूट्रल फैशन, केवल कंफर्ट या स्टाइल का मामला नहीं है। इसे आत्मविश्वास और स्वतंत्र सोच से भी जोड़कर देखा जाता है। यह फैशन स्टाइल युवाओं को यह संदेश देता है कि वे अपनी पहचान स्वयं तय कर सकते हैं। आज के युवा फैशन को पारंपरागत ड्रेस पहनने के नियम का पालन करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी सोच, पसंद और स्वतंत्रता को व्यक्त करने के लिए अपना रहे हैं। यही कारण है कि जेंडर न्यूट्रल फैशन, तेजी से युवाओं की पसंद बनता जा रहा है।

बदल रही फैशन इंडस्ट्री

यंगस्टर्स की पसंद को देखते हुए, देश के प्रमुख फैशन ब्रांड्स में भी अब जेंडर न्यूट्रल यूनिसेक्स कलेक्शन की बड़ी रेंज दिखती है। कई नए स्टार्टअप्स जेंडर-न्यूट्रल ड्रेसेस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इससे यह स्पष्ट है कि फैशन उद्योग भी अब जेंडर न्यूट्रल जैसे बदलाव को स्वीकार कर चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में फैशन में मैन और वुमेन की बजाय ऑल या यूनिसेक्स जैसे सेक्शन हुआ करेंगे।

कह सकते हैं कि इस साल की गर्मियां अभी से यह स्पष्ट संकेत दे रही हैं कि फैशन अब जेंडर की सीमाओं से मुक्त हो रहा है। जेंडर न्यूट्रल फैशन न्यू एज फैशन का पसंदीदा ट्रेंड बनकर उभर रहा है। *

सिने ट्रेंड
अशोक वाधवाणी

दर्शकों को खूब आती हैं पसंद हॉरर-कॉमेडी कॉम्बो फिल्में

हालांकि शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड में हॉरर फिल्में बनती रही हैं। लेकिन बीते कुछ वर्षों से हॉरर फिल्मों में कॉमेडी का कॉम्बो दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। यही वजह है कि ऐसी फिल्में लगातार बन रही हैं और दर्शकों को पसंद भी आ रही हैं। ऐसी ही कुछ हॉरर-कॉमेडी फिल्मों पर एक नजर।

बीते कई वर्षों से हिंदी फिल्मों में हॉरर, थ्रिलर के साथ कॉमेडी वाला तड़का दर्शकों को खूब अट्रैक्ट कर रहा है। रहस्य-रोमांच और साफ-सुथरी कॉमेडी पसंद करने वाले दर्शक इसे सपरिवार देख सकते हैं, क्योंकि इस तरह की फिल्मों में हॉरर और कॉमेडी का कॉम्बो देखने को मिल जाता है। यह इसका प्लस प्वाइंट है।

हॉरर-थ्रिलर-कॉमेडी का कॉकटेलः कुछ वर्षों से हॉरर कॉमेडी जॉनर की फिल्मों का दौर चल पड़ा है। ऐसी मूवी में ह्यूमर और हॉरर का कॉकटेल नजर आता है। अजय देवगन की 'गोलमाल अगेन' (2017) में हॉरर और कॉमेडी के साथ-साथ इमोशनल टच भी देखने को मिला। इसी थीम पर बेस्ड 'गो गोवा गॉन' (2013) फिल्म ने भी दर्शकों को बांधे रखा। यह गोवा में फिल्माई गई हॉरर, थ्रिलर और जॉम्बिज एक्शन वाली कॉमेडी मूवी है। वर्ष 2025 में रिलीज हुई 'थाम्मा' में आयुष्मान खुराना ने बेताल (पिशाच) की भूमिका निभाई। इसी फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने मनुष्यों का खून चूसने वाले खतरनाक विलेन का रोल निभाया। वर्ष 2024 में रिलीज्ड 'मुंज्या' भी एक कॉमेडी हॉरर फिल्म है। कोई बड़ा स्टार नहीं होने के बावजूद इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इससे काफी पहले अमिताभ बच्चन की 'भूतनाथ' (2008) और 'भूतनाथ रिटर्न्स' (2014) भी सुपरनेचुरल कॉमेडी ड्रामा फिल्में थीं। इन दोनों ही फिल्मों की कहानी में नयापन था, ताजगी थी। साथ ही कलाकारों के जानदार अभिनय और कमाल के पिक्चराइजेशन ने दर्शकों को बांधे रखा। इसीलिए ये फिल्में सफल रहीं।

'स्त्री' ने कर दिखाया कमालः साल 2018 में आई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' की सफलता ने इस ट्रेंड को सेट करने में बड़ा रोल निभाया। राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी जैसे कलाकारों के अभिनय से सजी इस फिल्म में हर घर के सामने लिखी लाइन 'ओ स्त्री, कल आना!' दर्शकों के दिलोदिमाग में घर कर गई। इस फिल्म के कई दृश्य दर्शकों के मन में आज भी तरोताजा हैं। 'स्त्री' की सफलता के बाद से इस तरह की फिल्मों का ट्रेंड-सा चल पड़ा। 2024 में आई 'स्त्री-2' भी दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरी, इस फिल्म को भी बड़ी सफलता मिली।

इस साल आएगी 'भूत बंगला'ः इस साल हॉरर-कॉमेडी जॉनर में अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' रिलीज होने वाली है। फिल्म के निर्देशक है प्रियदर्शन। ये वही प्रियदर्शन हैं, जिन्होंने साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'भूल-भुलैया' बनाकर कैरेक्टर मोंजूलिका (विद्या बालन) को फेमस किया था। वैसे आपको बता दें कि कई दशक पहले साल 1965 में महमूद ने ब्लैक एंड व्हाइट 'भूत बंगला' बनाई थी, जिसमें हॉरर, थ्रिलर और कॉमेडी का मनोरंजक मेल था। उस दौर में ये अपनी तरह की नई पहल थी। उसे इस जॉनर की पहली फिल्म भी माना जाता है।

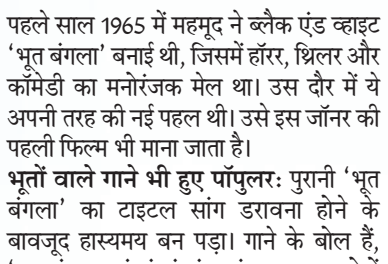

भूतों वाले गाने भी हुए पॉपुलरः पुरानी 'भूत बंगला' का टाइटल सांग डरावना होने के बावजूद हास्यमय बन पड़ा। गाने के बोल हैं, 'भूत बंगला, हां हां हां हां कहां आ गए हम दोनों।' इस गाने में महमूद और आर. डी. बर्मन के साथ भूतों को नाचते दिखाया गया है। महमूद, आर. डी. बर्मन और सुदेश की डरावनी आवाजें डराती कम, हंसाती-गुदगुदाती ज्यादा हैं। आने वाली 'भूत बंगला' में भी ऐसे ही एक गाने के बोल हैं, 'रामजी आकर सबका भला करेंगे।' इसमें अक्षय कुमार अजीबो-गरीब वेशभूषा में अजीब, अटपटी हरकतें करते हुए, भूतों के साथ नाचते-गाते दिखते हैं। दर्शकों के मन में सस्पेंस जगाने, डराने के लिए स्पेशल इफेक्ट का सहारा भी लिया गया है। यह कोई नया चलन नहीं है। ऐसे गीतों का सिलसिला काफी पहले से शुरू हो चुका है। फिल्म 'चाचा-भतीजा' (1977) में हेमा मालिनी और सोनिया साहनी पर फिल्माया गया गीत, 'भूत राजा बाहर आ जा। सीधी तरह से मान जा नहीं तो बजा दूंगी तेरा बैंड बाजा।' इसमें उनके साथ धर्मेंद्र और रणधीर कपूर भी हैं। आगे चलकर ऐसा ही गाना 'चालबाज' (1989) में श्रीदेवी और रजनीकांत पर पिक्चराइज किया गया। गाने के बोल थे, 'ओ भूत राजा फंस गई मुश्किल में, भूतों की महफिल में।' कविता कृष्णमूर्ती, सुदेश भोसले की आवाज में यह गाना मनोरंजक है। 'हाउसफुल-4' का 'द भूत सॉन्ग।' अलग-थलग अंदाज वाले गाने का रिमिक्स वर्जन है। मिका सिंह, फरहाद द्वारा गाए इस रैपनुमा गाने में बड़े, खर्चीले सेट और कई स्टार दिखाए गए हैं। इस दिलचस्प गाने को देखते-सुनते समय डर तो नहीं लगता, हां मजा जरूर आता है। इसीलिए यह गाना काफी हिट भी रहा।

हॉरर-कॉमेडी फिल्मों का फंडाः हॉरर फिल्मों में दिल दहला देने वाले दृश्य देखकर दर्शक कई बार अचंभित-भयभीत होते हैं। डर के मारे रोमांचित भी होते हैं। उसी समय उनका ध्यान कंवर्ट करने के लिए कॉमेडी सींस दिखाए जाते हैं। इससे वे भयमुक्त होकर हंसने लगते हैं। यही वजह है कि हॉरर, थ्रिलर, कॉमेडी का कॉम्बिनेशन दर्शकों को लुभा रहा है। इसी कारण धड़ल्ले से इनकी फ्रेंचाइजी फिल्में भी बन रही हैं। जैसे- 'भूल-भुलैया', 'स्त्री', 'भेड़िया', 'मुंज्या' आदि। *